



मित्र समाचार

अंक 16

प्रकरण 4

अप्रैल 2026

समर्पण के लिए बुलाहट

इसलिए हे भाईयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ कि अपने शरीरों को जीवित और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके पढ़ाओ। यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है। रोमियों 12:1

प्रथम पंक्ति.....

भरे जाने के लिए खाली होना

मजन "सब कुछ देता हूँ 1896 में जडसन डब्ल्यू. वैन डेवेंटर ने लिखा था। ये कला के एक अमेरिकन शिक्षक थे और कला में अपना करियर बनाने और पूर्णकालिक सेवकाई के लिए परमेश्वर की बुलाहट को मानने के बीच बहुत ज्यादा उलझे हुए थे। हालांकि उन्हें म्यूजिक का प्रतिभा था— गाने, संकलन करने और 13 तरह के वाद्ययंत्र बजाने में काबिल—लेकिन उन्होंने कई सालों तक उस अंदर की पुकार को रोके रखा। ओहायो में पढ़ाते हुए, उन्होंने आखिरकार अपनी व्यक्तिगत खाहिशों को परमेश्वर के हवाले करने का फैसला किया। उस अहम पल ने उन्हें गहरी शांति दी और इस हमेशा रहने वाले मजन को जन्म दिया, जो पूरी तरह से समर्पण दिखाता है। उनके मित्र दिनफील्ड एस. वीडेन ने इसकी धुन बनाई, और साथ मिलकर उन्होंने इस मजन को प्रकाशित किया। वीडेन को यह मजन इतना पसंद था कि इसके शब्द बाद में उनकी कब्र पर लिखे गए।

यह मजन हमारे विषय को खूबसूरती से दोहराता है: "समर्पण का आह्वान" (रोमियों 12:1)। सच्चे समर्पण का मतलब है यह स्वीकार करना कि हम अब अपनी शक्ति पर निर्भर नहीं रह सकते या इच्छाएँ तो हैं, परन्तु पूरी तरह से परमेश्वर के आगे झुकना होगा। जैसा कि 1थिस्सलुनीकियों 5:23 में सिखाया गया है मनुष्य आत्मा, प्राण और शरीर। जब पीलुस हमसे अपने शरीर को इस तरह समर्पित करने का आग्रह करता है एक जीवित बलिदान, वह हमारी भेंट के लिए बुला रहा है पूरा अस्तित्व — कुछ भी रोका नहीं गया। पुराने नियम के अनुसार में, बलिदान में कोई दोष नहीं होना चाहिए था, पवित्र परमेश्वर को सबसे उत्तम चढ़ाया जाना चाहिए था। ऐसे

चढ़ावे सच्ची आराधना के काम थे। आज, परमेश्वर को पशु की बलि की जरूरत नहीं है, इसके बजाय, वह चाहता है कि हम स्वयं को चढ़ाएँ। जैसा कि रोमियों 6:8 हमें स्मरण दिलाता है, परमेश्वर हमारे "पुराने मनुष्यत्व" को नहीं, जो पाप से कंटा है, बल्कि हमारे नए मनुष्यत्व और उसके अधिकार के आगे झुके हुए नए जीवन को स्वीकार करता है। जैसा कि 1पतरस 2:5 में लिखा है, हमें एक याजकों का पवित्र समाज बनकर ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाने के लिए बुलाया गया है जो मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य है।

अब्राहम का जीवन बलिदान का एक शक्तिशाली उदाहरण है। जब अब्राहम से अपने प्रिये बेटे इसहाक को बलिदान करने के लिए कहा गया, तो उसने बात मान ली। काम पूरा होने से पहले ही, उसने अपने हृदय में इसहाक को समर्पित कर दिया था। उसकी आज्ञा मानने से पता चला कि परमेश्वर के लिए उतक प्रेम सबसे बढ़कर था। जैसा कि पवित्र शास्त्र हमें 1शमूएल 15:22 में याद दिलाता है, आज्ञा मानना बलिदान चढ़ाने से उत्तम है।

डोएल मूडी ने एक बार कहा था कि बेजान जानवरों की बलि के उलट, एक "जिंदा बलि" में आदत होती है कि जब समर्पण करना मुश्किल, बेकार या असहज लगने लगता है, तो वह वेदी से रेंगकर चला जाता है। यह हमारा रोज का संघर्ष है। फिर भी, हर बार जब हम अपनी मर्जी से अपनी पसंदीदा चीजों — अपनी योजनाएँ, इच्छाएँ और आराम — छोड़ देते हैं, तो हम परमेश्वर के साथ अपने रास्ते में और मजबूत होते जाते हैं।

जब अब्राहम ने सब कुछ समर्पित कर दिया, तो उसने परमेश्वर को यहोवा— यीरेह के रूप में अनुभव किया, यानी वह प्रभु जो सब कुछ देता है। उसी तरह, जैसे हम स्वयं को खाली करते हैं, परमेश्वर हमें अपनी उपस्थिति और चरेश्यों से भर देता है। फिलिपियों 2:7-8 कहता है, यीशु मसीह ने स्वयं को पूरी तरह से खाली कर दिया, यहाँ तक कि क्रूस पर मर भी गए। आईए हम भी समर्पण की उस भावना में शामिल हों, अपने जीवन का हर हिस्सा उन्हें दें, उनकी वफादारी का अनुभव करें, और उन्हें जरूरतमंद दुनियाँ के सामने दिखाएँ।

— मर्सी सेल्विन (संचार विभाग)

**“अपने कामों को यहोवा
पर डाल दे, इस से तेरी
कल्पनाएँ सिद्ध होंगी”**

नीतिवचन 16:3

**कुछ चीजें ऐसी होती हैं
जिन्हें हम शायद कभी
समझ नहीं पाते।**

**कभी-कभी हमें बस हार
मानकर समर्पण कर दकना**

चाहिए

— रैंडी जी फाइन

**“हे पिता, यदि तू चाहे तो
इस कटोरे को मेरे पास से
हटा ले, तौभी मेरी नहीं
परन्तु तेरी इच्छा पूरी हो।”**

— लूका 22:42

**परमेश्वर के हाथों में
समर्पित जीवन से ज्यादा
शक्तिशाली कुछ भी नहीं है**

— रिक वॉरेन

मित्र समाचार

हमारा मिशन :

मित्र सुसमाचार प्रार्थना दल एक सुसमाचार- केंद्रित आंदोलन है जो देश के कोने-कोने में यीशु मसीह के सुसमाचार को पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय कलीसियाओं की अद्भुत प्रार्थनाओं, सक्रिय भागीदारी और त्यागपूर्ण समर्थन से सशक्त होकर — अपनी कलीसियाओं, संस्थाओं, परिवारों और व्यक्तियों के माध्यम से — यह आंदोलन पूरे देश में निष्ठापूर्वक सेवा कर रहा है। हम सब मिलकर मसीह के मिशन में आगे बढ़ रहे हैं। जुड़े रहें। अपने दर्शन को साझा करें। दूसरों को उसके परिवर्तनकारी प्रेम से परिचित कराएँ।

टिप्पणी, सिफारिश

और अनुसंधान के लिए

feedbackfmpb@fmpb.org



**मित्र
समाचार**

एफ.एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

महासचिव

विजय प्रसन्ना इसाहक

प्रकाशक एवं सम्पादक

एस. जॉन बर्लिन

सदस्यता

वार्षिक — 100 रुपये

आजीवन — 1500 रुपये

**H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053**

Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353

Cell: 9444394342

E-mail: info@fmpb.org

Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:

Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...



प्रिये प्रार्थना साथियों एवं परमेश्वर के मिशन में सहकर्मियों,

अप्रैल का महीना एक बार फिर हमारे दिलों को हमारे विश्वास की मुख्य घोषणा की ओर खींचता है: मसीह जी उठा हैं! खाली कब्र सिर्फ एक ऐतिहासिक सच्चाई नहीं है, बल्कि एक ईश्वरीय बुलाहट है, जी उठे प्रभु की प्रकाश में आत्मसमर्पण करने का एक विवशपूर्ण बुलाहट है, जो पीढ़ियों तक गूंजता है और हर विश्वासी को पूरे दिल से मसीह के प्रभुत्व को मानने के लिए बुलाता है।

इस खास मौड़ पर, मुझे सौंपी गई जिम्मेदारी का एक साल पूरा होने पर, मैं परमेश्वर की अत्यधिक विश्वासयोग्यता और कृपा के लिए उसका बहुत शुक्रगुजार हूँ। यह सफर बिना दबाव के नहीं रहा, सब में, हर तरफ से बहुत ज्यादा दबाव रहा, फिर भी मुझे मानवीय सामर्थ्य से नहीं, बल्कि उसकी अनन्त उपस्थिति और अत्यधिक अनुग्रह से सहारा मिला। इन माँगों के बीच, साथी मिशनरियों के साथ बातचीत, मेलजोल और साझा बोझ हँसला और आध्यात्मिक तरक्की का एक बड़ा जरिया साबित हुआ है।

मैं इस अवसर पर आप सबों का हृदय से धन्यवाद अदा करना चाहता हूँ, आपकी स्थिर

मित्र समाचार | 4 | अप्रैल 2026

प्रार्थनाओं, समझदारी भरी सलाह और प्यार भरे हौसले के लिए, जिसने पिछले साल मुझे हिम्मत प्रदान किया और रास्ता दिखाया।

हमारे प्रभु यीशु मसीह का पुनरुत्थान सिर्फ मृत्यु पर विजय की घोषणा नहीं है; यह हमारे जीवन पर एक ईश्वरीय दावा है। जिसने कब्र पर विजय हासिल की, वह अब हमें अपने हृदय, इच्छाओं, योजनाओं और भविष्य को उसकी सबसे बड़ी इच्छा के हवाले करने के लिए बुला रहा है। इसलिए, पुनरुत्थान सिर्फ जश्न मनाना ही नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रतियुत्तर की आवश्यकता भी जरूरत है।

समर्पण खाली कब्र से आरम्भ होता है

जब रिजर्वों दुखी होकर कब्र के पास पहुँचीं, तो वे आश्चर्यचकित होकर आज्ञा मानते हुए वहाँ से चली गईं। जब चेलों का सामना फिर से जी उठे प्रभु से हुआ, तो उनका डर हार मानने में बदल गया। पुनरुत्थान ने शिष्यों को भय खाने से हिम्मती गवाहों के रूप में बदल दिया। पुनरुत्थित प्रभु आज हमारे सामने खड़ा है, जबकि वह दिखाई नहीं देता है फिर भी साफ तौर पर हमें अपनी अच्छी छोड़ने और उनके दिव्य अधिकार के तहत जीने के लिए बुलाता है।

समर्पण को अक्सर कमजोरी, नुकसान या हार समझा जाता है। फिर भी, परमेश्वर के राज्य की अर्थव्यवस्था में, समर्पणहीन जीवन, उद्देश्य और हमेशा फलदायी होने का रास्ता है। जी उठा मसीह विश्वासयोग्यता के लिए मजबूर नहीं करता परन्तु वह प्रेम से से बुलाता है। उनके छेदे हुए हाथ हमें स्मरण दिलाता है कि उसने पहले

अपने पिता की इच्छा के आगे पूरी तरह से समर्पण किया, यहाँ तक कि मौत तक भी। हमारा समर्पण बस उसके प्रति एक प्रत्युत्तर है।

पुनर्जीवित प्रभु एवं पुनर्व्यवस्थित जीवन

पुनरुत्थान के बाद, यीशु ने सिर्फ अपने चेहरों को दिलासा नहीं दिया; परन्तु उसने उनकी जरूरतों को फिर से तय किया। पतरस का सामना अपनी नाकामियों से नहीं, बल्कि प्रेम के एक सवाल से हुआ: "क्या तुम मुझसे प्रेम रखते हो?" पुनरुत्थान ने उसे ठीक किया और फिर से काम करने के लायक बनाया। पुनरुत्थित मसीह के लिए प्रेम उसकी सेवा की नींव और उसके बलिदान के पीछे की सामर्थ्य दोनों बन गया।

उसी तरह, जी उठा प्रभु हमें ऊपरी धार्मिकता से आगे बढ़कर, पूरे हृदय से भक्ति करने के लिए बुलाता है। वह हमें अपने मिशन के लिए अपना आराम, अपने बुलावे के लिए अपनी सुरक्षा, अपने नाम के लिए अपनी इज्जत, और अपने राज्य के लिए अपना भविष्य सौंपने के लिए बुलाता है। ऐसा समर्पण सिर्फ एक पल के भावना तक ही सीमित नहीं है; यह हृदय का रोजाना, सोच-समझकर किया गया तरीका है।

समर्पण एवं मिशन अविभाज्य हैं

पुनरुत्थान के बाद हर मुलाकात के साथ काम जुड़ा होता था: "जाओ और बताओ...," "जैसे पिता ने मुझे भेजा है, मैं तुम्हें भेजता हूँ," और "तुम मेरे गवाह बनोगे।" पुनर्जीवित प्रभु का संदेश उनके मिशन के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

इसलिए, समर्पण सिर्फ व्यक्तिगत नहीं है, बल्कि यह बहुत अधिक मिशनरी कार्य सम्बंधित है। समर्पित जीवन निष्क्रिय नहीं रह सकता; यह एक ऐसा चैनल बन जाता है जिससे मसीह का जीवन दुनियाँ में बहता है। जब हम उसे समर्पण करते हैं, तो वह हमें उन जगहों पर ले जाता है जिसे

हम स्वभाविक तौर पर चुनते नहीं हैं। ऐसे लोगों के बीच जहाँ हम शायद नहीं पहुँच पाते, और ऐसी सेवकाई में ले जाता है जिसके बारे में हमने कभी सोचा भी नहीं था।

वास्तव में, मिशन का इतिहास उन पुरुषों और महिलाओं के समर्पित जीवन का प्रमाण है जो जी उठे मसीह की सच्चाई से इतने मोहित थे कि उन्होंने उनसे कुछ भी छिपाया नहीं।

समर्पण का मूल्य और महिमा

समर्पण की बुलाहट बेशक महंगा है। इसके लिए अपने फायदे को सूली पर चढ़ाना और आत्मसंयम छोड़ना पड़ता है। फिर भी जी उठा प्रभु हमें भरोसा दिलाता है कि जो कुछ भी परमेश्वर को समर्पित किया जाता है, वह कभी खोता नहीं है, बल्कि बदल जाता है। जैसे क्रूस का नतीजा ताज होता है, वैसे ही समर्पण करने से महिमा मिलती है, आज के फायदे और हमेशा के इनाम दोनों में।

जी उठा हुआ प्रभु अब भी पूछता है, "तुम जीवित को मरे हुआँ में क्यों दूँद रहे हो?" जब मसीह के साथ अच्छी संगति मुफ्त में मिलती है, तो हम बेजान इच्छाओं, सुरक्षा और परंपराओं से क्यों चिपके रहते हैं?

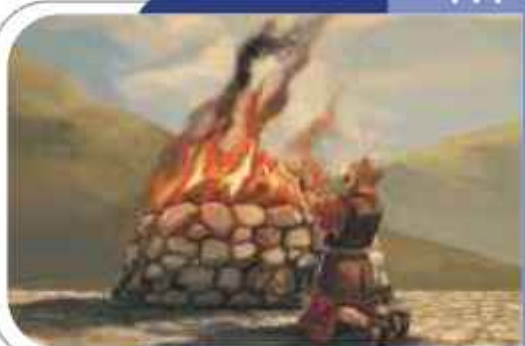
आज कलीसिया के लिए एक आह्वान

अनिश्चितता, भटकाव और आध्यात्मिक संतुष्टि से भरी पीढ़ी में, समर्पण करने की पुकार नई तेजी के साथ गूंज रही है। कलीसिया को और देखने वालों की जरूरत नहीं है; उसे ऐसे शिष्यों की जरूरत है जिन्होंने सब कुछ पुनर्जीवित प्रभु के चरणों में रख दिया हो।

हमारी सेवकाई, रणनीति और ढोंचा तभी लंबे समय तक चलने वाला फल देगा, जब वे मसीह के प्रति पूरी तरह से समर्पण किए हुए हृदयों से निकलेगा। कार्यक्रम समर्पण का स्थान नहीं ले

वेदी पर अर्पित जीवन

निकोलस लुडविग वॉन जिंजेनडॉर्फ का जन्म 26 मई, 1700 को जर्मनी के एक बहुत अमीर परिवार में हुआ था। एक दिन, एक कला प्रदर्शन में, वह क्रॉस पर लटके यीशु मसीह की एक असली जैसी दिखन वाली पेंटिंग देखकर बहुत प्रभावित हुए। पेंटिंग के नीचे, उन्होंने लिखा हुआ पढ़ा: “मैंने तुम्हारे लिए यह किया है; तुमने मेरे लिए क्या किया है?” तुरंत, उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन यीशु को सौंप दिया। उन्होंने तय किया, “मैंने उस मसीह



के लिए कुछ भी नहीं किया जिसने इतने लंबे समय तक मुझसे प्रेम किया है; परन्तु अब से, मैं वही करूँगा जो वह मुझे करने के लिए कहेगा।” 1732 में, उन्होंने मोरावियन मिशनरी आन्दोलन का आरम्भ किया। उनके समय में, समाज के हर 10 सदस्यों पर 20 मिशनरी भेजे जाते थे। जब वेस्ट इंडीज में मिशनरी भेजना नामुमकिन हो गया, तो उन्होंने लोगों को स्वयं को गुलामी में बेचने के लिए प्रेरित किया ताकि वे गुलाम लोगों की सेवा कर सकें, अपना पेट भरने के लिए काम करते हुए बलिदान की सेवा कर सकें।

बुलाहट का परेश्वर

रोमियों 12:1 में, प्रेरित पौलुस रोम की कलीसिया को लिखता है, “इसलिए, हे भाइयो, मैं तुम्हें परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर से विनती करता हूँ कि तुम अपने शरीर को जीवित, पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ, यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।” इस पूरे पत्र में, पौलुस अलग-अलग बुलाहट के बारे में बात करता है। वह कहता है कि “क्योंकि पेश्वर के वरदान और बुलाहट अटल हैं।” (रोमियों 11:29)। वह परमेश्वर को ऐसा प्रगट करता है

जैसा उसने उसे प्रेरित होने के लिए बुलाया (1:1), उस परमेश्वर के सामने जिस पर उसने विश्वास किया, और मरे हुएों को जिलाता है, और जो बातें है ही नहीं उसका नाम ऐसा लेता है मानो वे हैं (4:17), वह जो सभी जातियों को बुलाता है (1:6) और जो उसके लोग नहीं थे (9:25), और वह जो हमें अपने मकसद के अनुसार संत बनने के लिए बुलाता है (1:7) (8:28)। कलीसिया को परमेश्वर से मिलवाने के बाद, वह अध्याय 12 में समर्पण करने की बुलाहट देता है।

समर्पण का आह्वान

“समर्पण” शब्द का अर्थ है झुकना, सौंपना, या शरण मांगना। इसका अर्थ है किसी ऐसे व्यक्ति के हाथों में मालिकाना हक सौंप देना जिसके पास अधिक सामर्थ्य, अधिकार सम्पूर्ण नियंत्रण हो। इब्रानी में, ‘Kni’a’ शब्द का अर्थ होता है बिना निशर्त समर्पण। परमेश्वर, जिसने हमें हमारी माँ के गर्भ में बनने से पहले ही जान लिया था और बुलाया था, हमें स्वयं को पूरी तरह से उनके हाथों में सौंपने के लिए बुलाता है। रोमियों की पत्री 12:1 में, पौलुस इस समर्पण के चार पहलुओं पर

रोशनी डालता है:

1. देह का समर्पण

पौलुस का पहला निवेदन है कि “अपने शरीर को बलिदान करो।” वह पृष्ठता है, “क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है जो तुम में है... और तुम अपने नहीं हो? क्योंकि दाम देकर मोल लिए गए हो।” (1कुरिन्थियों 6:19-20)। इसलिए, अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

हमारी देह का भाग उसकी महिमा के लिए दिया गया है। पौलुस कहता है और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिए सौंपो, पर अपने आपको भरे हुआ में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो (रोमियों 6:13)। हम जानते हैं कि हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया ताकि पाप का शरीर व्यर्थ हो जाए (रोमियों 6:6)। हमें अपनी आँखें, जीभ, हाथ और पैर — हर एक चीज जो हमें पाप के लिए उकसाती है — मसीह के सूती पर चढ़ा देना चाहिए।

ट्रेन से सफर करते समय बाइबल पढ़ रहे एक नौजवान विश्वासी से कुछ अजनबियों ने जुए के खेल के लिए “मदद” माँगी। उसने उत्तर दिया, “मुझे माफ करना, मैं अपने हाथ घर पर ही छोड़ आया हूँ।” जब वे घबराए हुए दिखे, तो उसने समझाया, “अब मेरे पास जो हाथ हैं, वह यीशु के हैं। मैंने आज सुबह अपने पुराने हाथ उन्हें सौंप दिए हैं, और ये हाथ जुआ नहीं खेल सकते।” हाँ, प्रिये लोगों, इस जवान आदमी की तरह, आईए हम अपने शरीर के उन सभी अंगों को यीशु को सौंप दें जो हमें हर दिन पाप करने के लिए लुमाते हैं, और आईए हम उनके शरीर के अंगों के रूप में उनके गवाह बनकर जाएँ।

2. पवित्रता के लिए समर्पण

पौलुस ने दूसरा “पवित्र” शब्द का इस्तेमाल किया है। हमें पवित्र जीवन जीने के लिए कहा गया है। “पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ” (लेव्य, 19:2)। एक पवित्र परमेश्वर के उपासक के तौर पर, हमें समाज में मसीह को दिखाना चाहिए।

पौलुस हमसे कहता है, “अतः हे प्रियो, जबकि ये प्रतिज्ञाएँ हमें मिली हैं तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें (2कुरिन्थियों 7:1)। पाप से भरी दुनियाँ में, हमें पवित्रता के द्वारा अपनी विशेषता को बनाए रखनी चाहिए।

उत्तरी अमेरिका में पाया जाने वाला एक छोटा सा जानवर, अर्माइन, अपने सफेद पंखों के लिए जाना जाता है। यह अपनी सफाई को इतना ज्यादा महत्व देता है कि अगर शिकारी इसके बिल के गेट पर कीचड़ फेंका दें, तो अर्माइन अपने सफेद कोट को कीचड़ में गंदा करने के बजाय बाहर रहकर शिकारियों के हाथों मौत का सामना करना ज्यादा पसंद करेगा। उसी तरह, हमें भी अपनी आध्यात्मिक पवित्रता को संजोकर रखना चाहिए।

भले ही अर्माइन सिर्फ पाँच इंद्रियों वाला एक जीव है और उसे पकड़कर मारा जा सकता है, फिर भी वह गंदा नहीं होता। अगर ऐसा जानवर भी अपनी पवित्रता का इतना ध्यान रखता है, तो हमें, इंसानों के तौर पर, अपनी पवित्रता को हमेशा बनाए रखने के लिए स्वयं को कितना ज्यादा समर्पित होना चाहिए।

3. परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए समर्पण करना

तीसरा वाक्य है “अब मैं क्या मनुष्यों को मनाता हूँ या परमेश्वर को? क्या मैं मनुष्यों को प्रसन्न करना चाहता हूँ? यदि मैं अब तक मनुष्यों को ही प्रसन्न करता रहता तो मैं मसीह का दास न होता” (गलाति 1:10)। दाऊद ने अपनी प्रार्थना में कहा, “हे मेरे परमेश्वर, मैं तेरी इच्छा पूरी करने से प्रसन्न हूँ” (मज्ज 40:8)। दानिएल के बारे में, प्रभु ने कहा, “तू अति प्रिय ठहरा है” (दानि. 8:23)।

जो इंसान परमेश्वर को प्रसन्न करता है, वह सिर्फ वही करेगा जो परमेश्वर चाहता है। वह उसकी योजनाओं को पूरा करने के लिए कोई भी त्याग करने को तैयार रहता है, और पूरे हृदय से उससे प्रेम करता है।

साधु सुंदर सिंह, जिन्हें अक्सर भारत का धर्मदूत कहा जाता है, को उनके परिवार ने उनके विश्वास की वजह से छोड़ दिया था। उनके पिता ने एक बार उन्हें अपनी बड़ी विरासत और एक खूबसूरत दुल्हन का लालच देकर वापस लाने की कोशिश की। सुंदर सिंह ने जवाब दिया, “मैंने अपना इकलौता हृदय अपने प्रिय यीशु को दे दिया है। मेरे पास किसी और को देने के लिए कोई और हृदय नहीं बचा है।” जैसे आप अपने हृदय की पूरी जगह अपने प्रियजनों को देते हैं, वैसे ही आईए हम भी, साधु सुंदर सिंह की तरह, अपना इकलौता हृदय पूरी तरह से अपने प्रिय यीशु को दें, जो हमसे बहुत प्रेम करता है और सिर्फ उसे प्रसन्न करने के लिए जिंएँ।

4. जीवित बलिदान के रूप में समर्पण

अंत में, पौलुस हमें “जीवित बलिदान” बनने के लिए कहता है। आम तौर पर, “बलिदान” का मतलब मृत्यु होती है। तो, “जीवित बलिदान”

क्या है? पुराने नियम में, बलिदान में लहू बहाना शामिल था। एक जीवित बलिदान का है स्वयं को पूरी तरह से परमेश्वर की वेदी पर रख देना। यह शारीरिक मृत्यु के बारे में नहीं है, बल्कि हमारा अहंकार, इच्छाओं और अपनी इच्छाओं की मृत्यु के बारे में है।

इसका मतलब है, “मैं जीऊंगा, परन्तु अपने लिए नहीं।” जैसा दाऊद ने कहा, “मैं नहीं मरूंगा बरन् जीवित रहूंगा और परमेश्वर के कामों का वर्णन करता रहूंगा” (मज्ज 118:17)। यह हमारा जीवन शैली को उनकी कृपा पर सौंपने का एक रोज का तरीका है।

निष्कर्ष: आराधना का एकमात्र सही काम जो हम कर सकते हैं, वह है अपने शरीर को एक जीवित, पवित्र और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान के रूप में चढ़ाना।

रेव. ए. जॉन डेविड राज / धमालचेरुवु
(रिटायर्ड मिशनरी) —एफ.एम.पी.बी.

परमेश्वर की बुलाहट का सम्मान: एक बार मिशनरी, हमेशा मिशनरी



मिशनरी वह होता है जिसे परमेश्वर ने यीशु मसीह का सुसमाचार सुनाने और शिष्य बनाने के लिए भेजा है। वे भौगोलिक और सांस्कृतिक सीमाओं को पार करके उन लोगों तक पहुँचता है जिन तक पहुँच नहीं है, कलीसिया का निर्माण करता है, और समुदायों में आध्यात्मिक और सामाजिक बदलाव लाता है।

“मिशनरी” शब्द की जड़ें लैटिन शब्द मिसियो (“भेजने का काम”) और ग्रीक शब्द अपोस्टोलोस (“भेजा गया व्यक्ति”) से जुड़ी हैं, जो महान आदेश में निहित हैं। इसका मतलब है कि एक व्यक्ति को अलग रखा गया है और उसे परमेश्वर का काम करने के लिए भेजा गया है, जैसे कि सुसमाचार का प्रचार करना, धार्मिक समुदाय बनाना, और स्थानीय संस्कृतियों और भाषाओं का सम्मान करते हुए समाज को बदलना।

विदेशी मिशनरियों के जाने के बाद, परमेश्वर ने भारत में अंतर-सांस्कृतिक मिशनरियों की एक पीढ़ी खड़ी की। आज, ये लोग अलग-अलग संस्थानों के जरिए उन समुदायों के बीच सेवा करते हैं जिनसे वे दूर हैं ताकि वे भी मोक्ष और पाप से मुक्ति का निःशुल्क वरदान का अनुभव कर सकें।

बाकी काम की बड़ी जिम्मेदारी और हमारे मिशनरियों के बुलावे और कमिटेमेंट को समझते हुए, FMPB एग्जीक्यूटिव कमेटी ने फॉर्मली यह प्रिंसिपल अपनाया है: "एक बार मिशनरी, हमेशा मिशनरी।"

यह पहल मिशनरियों को अपने राज्य के बाहर, मिशन क्षेत्रों में लगातार मौजूद रहकर अपने बुलावे को पूरा करने में मदद करती है, जब तक वे चाहें, यहाँ तक कि अपनी जिंदगी के आखिर तक भी सेवा कर सकते हैं। जैसे मिशनरी एक बार भारत आए और एक हमेशा रहने वाली विरासत छोड़ गए, वैसे ही अब हमारे मिशनरियों को भी परमेश्वर के राज के लिए इतिहास बनाने के लिए उसी रास्ते पर चलने के लिए बुलाया गया है।

हम आपको हमारे सेवानिवृत्त एवं वयोवृद्ध मिशनरियों के लिए प्रार्थना करने, हिम्मत बढ़ाने और उन्हें सपोर्ट करने के लिए बुलाते हैं, क्योंकि वे मिशन क्षेत्रों में परमेश्वर के लिए खड़े होने के लिए विश्वास के साथ हिम्मत और मजबूत कदम उठाते हैं।

रेव. ए.एस. फ्रैंकलिन एम.वाई. पाथम

अध्यक्ष – कार्यकारी सह-समिति
(सेवानिवृत्ति के बाद मिशनरियों का उपयोग)

गेहूँ का गिरा दाना



**निराशा से ईश्वरीय बुलाहट तक
स्वर्गीय सुनीता सिंह
का जीवन एवं विरासत**

हर एक को कुछ ऐसी जिंदगी प्राप्त होती है जो खमोश होकर परमेश्वर के परिवर्तनकारी सामर्थ्य को प्रकट करती है। ऐसा जीवन

विस्तृत समुदाय के लिए आशा, साहस और परमेश्वर के उद्देश्यों का जीता जागता उदाहरण बन जाता है। सुनीता सिंह ऐसी ही एक उल्लेखनीय जीवन थीं। 2 अक्टूबर सन् 1971 को बिहार के जगदीशपुर में जन्मी और अपने जन्म दिवस को महात्मा गांधी के साथ मनाई और देश के लिए एक आशीर्वाद बनने के उनके सपनों को भी मनाई। उनका पालन पोषण एक रुढ़िवादी परिवार में हुआ, जहाँ परम्परा और कठोर सांस्कृतिक मूल्यों ने उनके प्रारम्भिक जीवन का निर्माण किया। ग्रामीण भारत के कई युवा लड़कियों के समान उनका जीवन भी साधारण परिस्थितियों और उसके साथ आनेवाली मुश्किलों के साथ शुरू हुई।

उनका विवाह कम उम्र में ही रेव. वीरेंद्र कुमार से हुआ और उनके विवाह के आरम्भिक वर्ष गहरे आत्मिक संघर्षों और भावनात्मक तकलीफों से भरी हुई थीं। अपनी गवाही में स्वर्गीय सुनीता सिंह ने बताया कि उन्होंने अत्यधिक आत्मिक बन्धन एवं निराशाओं का अनुभव की थीं तभी ठीक ऐसे ही समय में

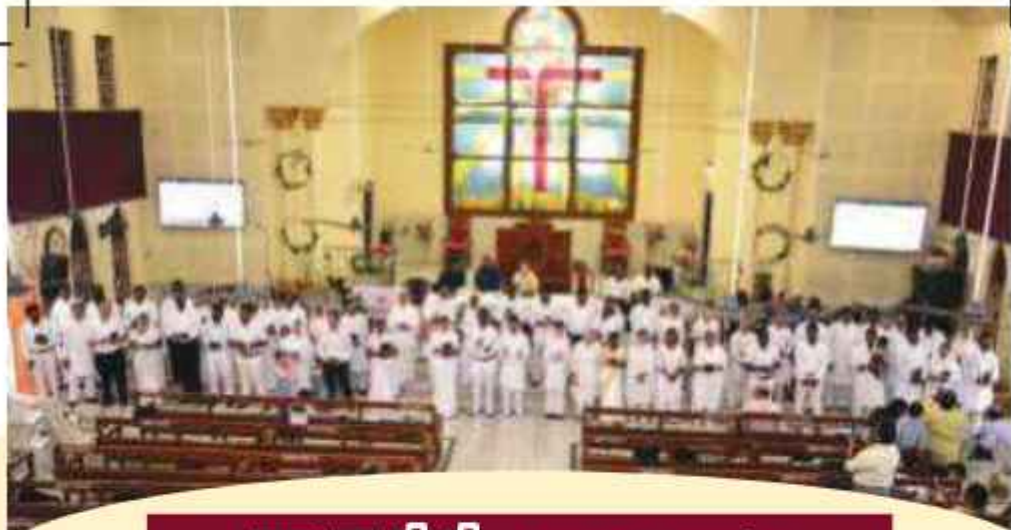
परमेश्वर ने उनके जीवन में हस्तक्षेप किया और उनके जीवन में एक बड़ा परिवर्तन को लेकर आया। परमेश्वर के अनुग्रह से उनके पति श्री वीरेन्द्र कुमार ने जीजस फिल्म देखी जिससे उनके सच्चाई और आशा की खोज आरम्भ हुई। अगले ही दिन उन्होंने अपनी पत्नी सुनीता को एक पादरी के पास ले गए जिन्होंने उनके लिए प्रार्थना की। उसी दौरान उन्हें चंगाई और छुटकारा मिला। निराशाओं की जंजीरें टूट गईं और जीवन का एक नया अध्याय का आरम्भ हुआ। जब सुनीता सिंह और उनके पति वीरेन्द्र कुमार ने यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता ग्रहण किया तो उनका व्यक्तिगत बदलाव शीघ्र ही गरीबों और दबे-कुचले लोगों को ऊपर उठाने के लिए एक आजीवन बुलाहट बन गया। इसके तुरंत बाद ही श्रीमती सुनीता सिंह को एक आत्मिक दर्शन प्राप्त हुआ जिसमें परमेश्वर ने पूछा कि क्या वह मुश्किल जगहों पर उनकी सेवा करने को तैयार होंगी जहां — जंगलों, पहाड़ों, घाटियों और वह जहां भी ले जाए? पक्के विश्वास के साथ उन्होंने इस बात पर हामी भरी और अपने जीवन तथा परिवार को परमेश्वर की सेवा में लगा दीं। जब वह सन् 1992 में एफ.एम.पी.बी. में शामिल हुईं तो उनका जीवन सम्पूर्ण भारत में मिशनरी सेवा का एक उल्लेखनीय यात्रा बन गया। अपने पति एवं परिवार के साथ उन्होंने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और बिहार 7 मिशन क्षेत्रों में प्रभु की सेवा की। ये मिशन क्षेत्र त्याग, लगन एवं परमेश्वर की बुलाहट के प्रति आज्ञाकारिता की निशानी थीं। सुदूर गांवों, आदिवासी और पहाड़ी इलाकों में सुनीता ने शांत भाव से मसीह के सुसमाचार को जिया। दुःखी लोगों के साथ प्रार्थना करना, निराश लोगों को हिम्मत प्रदान करना एवं दया के साथ समुदायों की सेवा करना। मैं तो कहूंगा

कि परमेश्वर ने उन्हें बिहार की एक और मदर टेरेसा बनने में मदद की। आज जितने स्वर्गीय सुनीता को जानते हैं वे उन्हें गहरी प्रार्थना, विनम्र एवं कोमल सामर्थ्य वाली एक अत्यंत सुंदर एवं इज्जतदार महिला के रूप में स्मरण करते हैं। उन्होंने सेवकाई में ईमानदारी के साथ अपने पति का साथ दिया और अपने परिवार का प्रेम और आत्मिक भक्ति के साथ पालन पोषण किया।

परमेश्वर ने उन्हें तीन बेटियाँ नाओमी, सलोमी एवं रुथ को देकर आशीषित किया है जो सम्मान क्रिपा और मसीही मूल्यों को दर्शाता है। 9 मार्च 2026 को उस समय जब उनके पति और बच्चे उनके चारों ओर थे परमेश्वर ने अपने पास बुला लिया। अब वह ऐसी स्वर्गीय स्थान में है जहां न दुःख न दर्द और और न ऑसू हैं, परन्तु वह परमेश्वर की उपस्थिति में है जहां अनंत आनन्द है। उनका जीवन हमें स्मरण दिलाता है कि उद्देश्य पूर्ण जीवन का मूल्यांकन रुपए पैसे, हैसियत या प्रसिद्धि से नहीं परन्तु परमेश्वर की बुलाहट के प्रति वफादारी एवं दूसरों के प्रति दया दिखाने के द्वारा किया जाता है। एफ. एम.पी.बी. श्रीमती सुनीता सिंह एवं उनके परिवार का शुक्रगुजार हैं कि उनका जीवन त्याग, परमेश्वर एवं देश की सेवा के लिए प्रकाश पूर्ण समर्पण का एक उदाहरण है। बाइबल का वचन उनके विरासत के बारे में बहुत ही सुन्दरता से वर्णन करती है, “धन्य हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास, तू थोड़े में विश्वासयोग्य रहा, मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा। अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो।”

उनका जीवन समुदायों को प्रेम सच्चाई और सेवकाई के मार्ग पर और अधिक विश्वासयोग्यता के साथ चलने हेतु प्रेरणा प्रदान करती रहे।

श्री जॉन सामुएल, अध्यक्ष— एफ.एम.पी.बी.



एफ.एम.पी.बी. मिशनरी समर्पण

7 एवं 8 मार्च 2026। क्यूएमबी चर्च, विशाखापत्तनम, ए.पी.

जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे, तो पवित्र आत्मा ने कहा, "मेरे लिए बरनबास और शाऊल को उस काम के लिए अलग करो जिसके लिए मैंने उन्हें बुलाया है।" तब उन्होंने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रखकर उन्हें विदा किया। प्रेरित 13:2,3

मिशनरी डेडिकेशन के इस शानदार घटना के लिए हमारे सर्वशक्तिमान ईश्वर को सारी महिमा, सम्मान और प्रशंसा मिले जिसमें 52 मिशनरीगण एक साथ आए जो हमारे देश के 15 राज्यों में सेवा कर रहे हैं, जिन्हें विशाखापत्तनम के भाई-बहन प्रायोजित कर रहे हैं। इस सेरेमनी में 300 से ज्यादा प्रार्थना साथियों के साथ-साथ एक अहम महत्वपूर्ण अंगुर्वे भी इकट्ठे थे।

शनिवार, 7 मार्च 2026 को, क्यूएमबी चर्च, विशाखापत्तनम में "एक स्वर" गूंज उठा, जब एक समान सफेद वस्त्र पहने 52 मिशनरियों ने दिल खोलकर गाय: "सेनाओं का यहोवा हमारे संग संग है याकूब का परमेश्वर हमारा ऊँचा गढ़ है।"

कार्यक्रम के दौरान, हमारे FMPB के महासचिव रेह, विजय पी. इसाक ने परमेश्वर का वचन सुनाया, जिससे सभी को परमेश्वर के मिशन में हिस्सा लेने की बड़ी जिम्मेदारी और खुशी की याद आई। FMPB फील्ड सेक्रेटरी रेह, सोलोमन ज्ञानसेकरन ने फील्ड मिनिस्ट्री के बारे में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किए। अंचलीय सचिव रेह, प्रसाद RJBV ने की-नोट भाषण दिया। मण्डली के लोग भाई शेख सुभानी और भाई बंगारु नायडू की बातों से बहुत प्रभावित हुए जो जम्मू, कश्मीर और राजस्थान के मुश्किल इलाकों में सेवा कर रहे हैं।

—भाई प्रज्वल

मिशनरियों के लिए डेडिकेशन प्रार्थना रेक, राजेश पक्की, यूनियन चीपल और कुछ लोकल पादरियों ने की। प्रायोजकों के लिए रेक, जी. स्टीफन पीटर QMB चर्च ने प्रार्थना की। कैल्वरी सेवा रत्ना, कैल्वरी बैपटिस्ट चर्च के रेक, पीवी प्रसाद और QMB चर्च के श्री आइजैक और कई दूसरे जाने-माने लोग इस मौके पर मौजूद थे। इस घटना के बाद एक प्रेमभोज का भी आयोजन किया गया था।

प्रभु ने प्रायोजकों को अपने-अपने मिशनरियों को अपने घरों में होस्ट करने में मदद की, जिससे उनके बीच बेहतर समझ और अच्छे रिश्ते का रास्ता बना और सही प्रार्थना सपोर्ट मिला। प्रयोजकों ने मिशनरियों को तोहफे देकर उनका हौसला और बढ़ाया।

इसका असर अगले दिन, 8 मार्च तक जारी रहा, जब कई मिशनरी अपने-अपने प्रायोजकों के चर्च में गए और वचन और अपनी बातें शेयर कीं और चर्च के पास्टर्स ने भी उनके लिए समर्पण की प्रार्थनाएँ की।

इस शानदार कार्यक्रम, सुरक्षित यात्रा, अच्छी सेहत, सुरक्षा, प्रायोजकों, चर्च से सहयोग और हर दूसरी अच्छी चीजों के लिए हम यीशु मसीह को सारी महिमा देते हैं क्योंकि इन सबका कारण सिर्फ वही हैं। सिर्फ उन्हीं के नाम की महिमा हमेशा-हमेशा के लिए हो, आमीन!

— माई वान्या फ्रांसिस



अनन्त विश्राम में प्रवेश

हम अत्यन्त दुख और शोक के साथ हमारे अवैतनिक मोबिलाइजेशन सचिन उपा के. सोंखोटुअन (85) के निधन की घोषण करते हैं।

12 मार्च 2026 को शाम 7:12 बजे, थोड़ी बीमारी के बाद वे अपने घर पर हमेशा के लिए आराम में चले गए। उपा के. सोंखोटुअन, जब भी जरूरत पड़ी, FMPB, चुराचांदपुर के सीनियर एडवाइजर के तौर पर काम करते रहे और अपनी आखिरी सांस तक

मिनिस्ट्री के लिए समर्पित रहे। उनके जोशीले समर्पण, अटूट विश्वास और परमेश्वर के प्रति निस्वार्थ सेवा से, चुराचांदपुर में FMPB की सेवकाई बहुत बड़ी और फली-फूली है।

हम उनके जीवन, उनकी विश्वासयोग्य सेवा और उनके द्वारा छोड़ी गई हमेशा रहने वाली विरासत के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। उनका अनंत ममि में जाना कलीसिया और उन सभी के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है जिन्हें उनके नेतृत्व, सलाह और भक्ति का आशीर्वाद मिला था।

परमेश्वर इस दुख की घड़ी में दुःखी परिवार और उनके पीछे छोड़े गए सभी प्रियजनों को हिम्मत प्रदान करें।

रेक. पी. थॉंगखानकाप, रीजनल सेक्रेटरी, NEI मोबिलाइजेशन



मेधेरी तमिलनाडु के सलेत प्रांत का मेदूर तालुक के सलेम में स्थित एक नगर पंचायत संघ है। सलेम नाम का मतलब है पहाड़ों से घिरा हुआ। यह प्रांत बड़े पैमाने पर "स्टील का शहर" और "आमों का शहर" के नाम से जाना जाता है। इसका इतिहास तीसरी सदी ई.पू. का है, और सदियों से इस पर पांडवों, पल्लवों और विजयनगर साम्राज्य का राज रहा है। 1965 में, असली सलेम जिले को बांटकर आज के सलेम और धर्मपरी जिले बनाए गए।

यह येरकोंडु की तलहटी में बसा है और भारत में चाँदी की अंगूठियों के बड़े उत्पादकों में से एक है। कावेरी नदी पर बना मशहूर मेडूर बाँध इसी इलाके में है। सर जॉर्ज स्टेनली की देखरेख में बना यह बाँध स्टेनली रिजर्वीयर के नाम से भी जाना जाता है। 10,000 से ज्यादा मजदूरों की मदद से नौ साल के निर्माणा कार्य के बाद 1934 में बनकर तैयार हुआ यह बाँध तमिलनाडु का सबसे बड़ा बाँध है। इस बाँध की अधिकतम ऊँचाई 214 फीट और चौड़ाई 171 फीट है और इसमें लगभग 9,347 करोड़ क्यूबिक फीट पानी जमा होता है। यहाँ दो हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर स्टेशन भी हैं।

मेवेरी टाउन पंचायत यूनिन में 19 गाँव हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, यहाँ 6,330 घर थे। अभी अनुमानित आबादी लगभग 38,300 है। माना जाता है कि मेवेरी नाम मेड़चल से आया है। ऐरी, जिसका मतलब है ऐसी जगह जहाँ गाय और बछड़े चरते हैं। मेवेरी का समरजपेट इलाका अपनी हैडलूम बुनाई के लिए मशहूर है। यहाँ बनी सिल्क साड़ियाँ भारत के कई हिस्सों में एक्सपोर्ट की जाती हैं। भेड़ की मेवेरी नस्ल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, और इस नस्ल के लिए एक खास रिसर्च सेंटर भी इसी इलाके में है।

उद्योग एवं व्यवसाय

JSW (जिंदल स्टील वर्क्स) आयरन फैक्ट्री, जो इस इलाके की सबसे बड़ी फैक्ट्री में से एक है, मेवेरी और उसके आस-पास के कई लोगों को रोजगार प्रदान करती है। इसके अलावा, यहाँ के लोग ईट-भट्ठे के काम, खेती, पशु पालन, हैंडलूम और पावर-लूम बुनाई में शामिल हैं। 5,000 से अधिक लोग बुनाई के काम में लगे हुए हैं। यहाँ उगाई जाने वाली मुख्य फसलों में ज्वार, बाजरा, मूँगफली और धान शामिल हैं। व्यापार और छोटे उद्योग स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

लोग एवं धार्मिक पृष्ठभूमि

मेवेरी में अलग-अलग राज्यों से आए हुए लोग रहते हैं जो रोजगार के लिए यहाँ आए हैं। यहाँ की आबादी में मुसलमानों की संख्या लगभग 0.3% है और यहाँ पर उनके लिए पूजा की कोई खास जगह नहीं है। यहाँ के ईसाई लगभग 0.2% हैं, जिनमें से अधिकतर बाहर से आए हुए मजदूर हैं जो मेट्रो चर्च में जाते हैं। यहाँ पर हाल ही में, एक छोटा CSI चर्च बनाया गया है जहाँ आराधना संचालित की जाती है।

अधिकतर स्थानीय लोग पारंपरिक एवं खानदानी पूजा करते हैं। इलाके में कई पुराने मंदिर हैं, और ईसाई धर्म या दूसरे धर्मों में लोगों की दिलचस्पी कम है।

मिशन क्षेत्र का आरम्भ

मेवेरी मिशन क्षेत्र लगभग 20 साल पहले शुरू हुआ था, परन्तु बाद में आउटरीच और आत्मा जीतने वाले काम में मंदी के कारण इसे बंद कर दिया गया। 12 साल के अंतराल के बाद, अगस्त 2021 में काम फिर से शुरू हुआ जब हमने एक परिवार के तौर पर इस फील्ड में सेवा करना आरम्भ किया। तब से, हम आस-पास के 10 से अधिक गाँवों में जा रहे हैं, और सुसमाचार का प्रचार कर रहे हैं और उन परिवारों के साथ प्रार्थना करते हैं जो सुनने के लिए तैयार हैं। जबकि कुछ लोग सुनने को तैयार हैं, कई लोग नियमित प्रार्थना सभाओं के लिए एक साथ इकट्ठा होने में झिझकते हैं।

रोककाई का दृष्टिकोण

इस क्षेत्र में हमारी सेवकाई में अभी ये शामिल हैं:

- व्यक्तिगत प्रचार
- घर-घर जाकर लोगों से मिलना
- नए गाँवों तक पहुंचना
- छोटे समूह में दिलचस्पी रखने वाले परिवारों से मिलना और प्रार्थना करना

रोककाई में चुनौतियाँ

1. डर, विरोध और परिवार का दबाव कई लोगों को खुले तौर पर सुसमाचार स्वीकार करने से रोकता है।
2. अंधविश्वास और दूसरी धार्मिक पूजा-पाठ से गहरा लगाव।
3. कुछ समूहों की ओर से सुसमाचार का विरोध।
4. नियमित प्रार्थना दल बनाने में मुश्किल।
5. सामाजिक और जातीय विभाजन जो विश्वासियों के बीच एकता में बाधा डालता है।

प्रार्थना निवेदन

- प्रार्थना करें कि डर और विरोध दूर हो जाए और बहुत से लोग हिम्मत से सुसमाचार स्वीकार करें।
- अंधविश्वास और मूर्तिपूजा से आजादी के लिए प्रार्थना करें।
- सुसमाचार का विरोध करने वालों के हृदय सुसमाचार के निमित्त खुलने के लिए प्रार्थना करें।
- गाँवों में मजबूत प्रार्थना ग्रुप बनाने के लिए प्रार्थना करें।
- अलग-अलग पृष्ठभूमि के मानने वालों के बीच एकता के लिए प्रार्थना करें।
- प्रार्थना करें कि परमेश्वर सुसमाचार के लिए द्वार खोले और बहुत से लोग यीशु मसीह को प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में जानें।

मनियंबाड़ी

कलीसिया का इतिहास

मरकट्टा कलस्टर

डेनकानीकोट्टई क्षेत्र
तमिलनाडु अंचल



द्वारा लिखित: श्रीमती डी. एग्नेस एडवर्ड

सामान्य

मनियाम्बाड़ी: गाँव भारत के तमिलनाडु के कृष्णागिरी प्रांत के डेंकानीकोट्टई तालुक के केलमंगलम प्रखण्ड में स्थित है। गाँव में हिंदू धर्म मुख्य धर्म है। मानियाम्बाड़ी गाँव में लगभग 250 परिवार आते हैं जो बिक्कनपल्ली पोस्ट के अन्तर्गत आता है।

गाँव के अधिकतर लोग दिहाड़ी मजदूर हैं जो खेती-बाड़ी में लगे हैं। गाँव की आबादी में आचार्य, वन्नियार, आदि जाति के लोग शामिल हैं। द्रविड़, लिंगायत, बलिजा नायडू समुदाय के साथ-साथ मुस्लिम भी शामिल हैं।

कलीसिया का आरम्भ

डेनकानीकोट्टई मिशन क्षेत्र का आरम्भ अप्रैल 1983 में हुआ था, और श्री वी. थॉमस एवं श्रीमती. वसंता थॉमस इस क्षेत्र में सेवा करने वाला पहला मिशनरी परिवार था। 1987 में, परमेश्वर ने इरुधुकोट्टई के डॉ. जॉनसन को चमत्कारी इलाज के जरिए मनियाम्बाड़ी गाँव में सुसमाचार लाने के लिए इस्तेमाल किया।

मनियाम्बाड़ी में यीशु मसीह को स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति श्री सकप्पा, एक हिंदू मंदिर के पुजारी थे। बपतिस्मा लेने के बाद, उनका नाम बदलकर श्री सामुएल सकप्पा रख दिया गया।

श्री सामुएल सकप्पा की गवाही

श्री सकप्पा के जीवन में एक बड़ा मोड़ तब आया जब पेन्नागरम में पढ़ाई के दौरान उनके बेटे पर बुरी तरह भूत-प्रेत का साया पड़ गया। मनियाम्बाड़ी के एक मंदिर के पुजारी के द्वारा कई पूजा-पाठ, तंत्र-मंत्र और मंदिर के पूजा-पाठ के बावजूद रस्मों के दौरान बच्चे की हालत बिगड़ गई। डॉ. जॉनसन की सलाह पर, सकप्पा ने अपने बिस्तर पर पड़े बेटे को बस से इरुधुकोट्टई ले जाने की कोशिश की। यात्रा के दौरान, ऐसा लगा कि बच्चे की मौत हो गई है।

परन्तु, डॉक्टर ने बच्चे का इलाज किया और परिवार से इंतजार करने को कहा। उस रात, प्रार्थना की गई, और परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से बच्चे को बचा लिया। अगली सुबह, लड़का पूरी तरह ठीक होकर अपने पिता के पास वापस चला गया। इसे चमत्कार से बहुत प्रभावित होकर, सकप्पा ने मूर्ति पूजा छोड़ दी। न्यू नियम की पुस्तक मिलने और सुसमाचार सुनने के बाद, उसने और उसके परिवार ने मसीह को अपना लिया।

स्थानीय प्रचारक श्री. पेथुरु मुनियप्पा ने परिवार से मुलाकात की और उन्हें बपतिस्मा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। सकप्पा का पंचपल्ली बाँध में बपतिस्मा हुआ और बाद में उनका पूरा परिवार परमेश्वर के पीछे हो लिया।

नियमित आराधना की शुरुआत

प्रथम विश्वासी के बपतिस्मा के बाद, श्री. पेथुरु मुनियप्पा आराधना करने के लिए नियमित रूप से मनियमबाड़ी जाने लगे। सेवकाई का रिकॉर्ड बताता है कि मनियमबाड़ी में आराधना करने वाला समूह अधिकारिक तौर पर सितंबर 1987 में बनाया गया था।

श्री सामुएल सकाप्पा के भाइयों और उनके दामाद, श्री डेनियल मधु के परिवार भी ईसा मसीह को मानने लगे।

श्री डेनियल मधु की गवाही

श्री डेनियल मधु ने बताया कि मसीह को अपनाने से पहले उनका परिवार दूसरे धर्म को मानता था। उनके ससुर के मसरीह को अपनाने के बाद, उनका परिवार भी परमेश्वर की संगति में शामिल हो गया। उन्हें शराब की लत थी और उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

पारिवारिक समस्याओं के साथ-साथ बहुत ज्यादा गरीबी भी। श्री सकाप्पा ने उन्हें सुसमाचार सुनाया और समझाया कि कैसे मसीह को अपनाने से उनकी जिंदगी बदल जाएगी। परिणामस्वरूप, उनके पूरे परिवार ने यीशु मसीह को अपना लिया। श्री पेथुरु मुनियप्पा ने गाँव में आराधना की और होसुर में परिवार को बपतिस्मा दिया।

कलीसिया का विकास

मनियाम्बाड़ी कलीसिया तब बड़ा जब विश्वासियों के रिश्तेदारों और भाई-बहनों का सामना परमेश्वर से व्यक्तिगत रूप से होने के बाद मसीह को अपना लिया। कलीसिया के विकास में एक और बड़ा कारण इरुधुकोट्टई में डॉ. जॉनसन की चंगाई सेवा थी।

श्री एंड्रयू सलप्पा की गवाही:

एक किशोर के रूप में श्री एंड्रयू सलप्पा ने अपने गाँव में बैठे गए सुसमाचार साहित्य के द्वारा यीशु मसीह के बारे में जाना। उसी दौरान, उन्हें टैंडकाइड हो गया, जिसे गाँव वालों ने गलती से भूत-प्रेत का साया समझ लिया। उन्हें तांत्रिकों के पास ले जाया गया और काजल और ताबीज दिए गए, परन्तु उनकी हालत और खराब हो गई। बाद में, उन्हें इरुधुकोट्टई ले जाया

गया, जहाँ डॉ. जॉनसन को लगा कि उनकी हालत गंभीर है।

मिशनरी श्री राजन एंड्रयूज अस्पताल गए और लाजर की कहानी का इस्तेमाल करके परमेश्वर की शक्ति के बारे में बताया, और सारे ताबीज हटाने के बाद उसके लिए प्रार्थना की। पंद्रह मिनट की प्रार्थना के बाद, उन्हें बताया गया कि वह सात दिनों में ठीक हो जाएँगे और मारंडाहल्ली चर्च में होने वाली बपतिस्मा में शामिल हो सकते हैं। छठे दिन तक, वह रागी काली की डेढ़ गोलियाँ खाए। सातवें दिन, अपने माता-पिता की इजाजत के बिना, वह मारंडाहल्ली गए और पूरे हृदय से बपतिस्मा लिया। 1990 में श्री वी. थॉमस ने उन्हें बपतिस्मा दिया।

लगभग उसी समय, गाँव में 62 छात्रों के साथ एक पौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का आरम्भ हुआ। जब 60 छात्रों ने स्कूल छोड़ दिया, तो शिक्षक ने आना बंद कर दिया। डेढ़ साल तक, श्री एंड्रयू ने खुद पढ़ना सीखा और रोजाना वाइविल पढ़ने की आदत डाली। बाद में, उनका विवाह रेव. वरदराजन के साथ दूसरों ने मनियमबाड़ी चर्च में करवाई।

श्री नाहन की गवाही: श्री नाहन प्रथम विश्वासी का एक रिश्तेदार था, वह कृष्णागिरी जिले में शादियों में ढोल बजाने का काम करता था और उसे शराब की लत थी। हालाँकि उसके माता-पिता और भाई-बहन विश्वासी थे, परन्तु उसने उनकी बार-बार की सलाह को नजरअंदाज कर दिया। दो साल तक, वह पोटली लेकर 41 दिन की तीर्थयात्रा पर गया, परन्तु हर बार भारी कर्ज लेकर लौटा। तीसरे वर्ष अपने भाइयों से सिर्फ 10 रुपये मिलने के बावजूद, वह फिर गया। चढ़ाई के दौरान, उसकी पोटली लगभग 15 मीटर दूर गिर गई, फिर भी वह बिना किसी चोट के बच गया। मूर्ति के सामने खड़े होकर, उसने मूर्ति पूजा को मना कर दिया और कहा कि सिर्फ एक ही सच्चा परमेश्वर है।

वह गाँव लौट आया और अपने परिवार के सामने यीशु मसीह को स्वीकार किया, और बाद में पंचपल्ली बौध में उनके साथ बपतिस्मा लिया। हालाँकि पहले वह बहुत गरीब था, परन्तु उस समय से परमेश्वर ने उसके परिवार को

आशीर्वाद दिया है।

श्रीमती तबीताल (कनगा) की गवाही: श्रीमती कनगा, जिसे बाद में नाम दिया गया तबीताल का जन्म ओसाती गाँव में एक गैर-ईसाई परिवार में हुआ था और मनियाम्बाड़ी के एक ईसाई से शादी की। शादी के बाद, पादरी एंड्रयूज ने उनके घर का दौरा किया और प्रार्थना की। हालाँकि उसे प्रार्थना करना नहीं आता था, परन्तु उसने परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभव किया और उत्पत्ति की पुस्तक से बाइबिल पढ़ी, जिससे उसे एहसास हुआ कि सिर्फ यीशु ही परमेश्वर हैं। शादी के तीन से चार महीने के अंदर ही उसने मसीह को अपना लिया और बपतिस्मा ले लिया।

बाद में एक नारियल का पेड़ गिरने से उनका खपरा वाला घर गिर गया। पादरी के घर पर रहने के बाद, परमेश्वर ने उन्हें एक पक्का घर दिया। परमेश्वर ने उन्हें दो बेटीयों का भी आशीर्वाद दिया और बाद में, सुबह-सुबह (3:00-4:00 बजे) की सच्ची प्रार्थना के बाद, एक बेटे का तोहफा दिया, जिसका नाम उन्होंने आकाश रखा।

अन्य गवाहियाँ

श्री अरुण पादरी के बुलाने पर वह आराधना में भाग लेने लगा। बाइबल पढ़ने से, वह मसीह को जान गया और अपने कार्य स्थल पर सुसमाचार बताने लगा। लक्ष्मिका नाम की एक महिला और उसके परिवार ने मसीह को अपना लिया, और जवानसंद्रम में धर्म जाने के बाद उनके साथ काम करने वाले के तीन शीमार बच्चे ठीक हो गए।

श्री युवराज शुरु में वह मजाक उड़ाने के लिए प्रार्थना सभाओं में जाता था। परन्तु, तीसरे हफ्ते तक, उसने सच्चे मन से प्रार्थना करना शुरू कर दिया। परिवार के विरोध के बावजूद, 2012 में श्री जेम्स ने उसे गाँव के एक कुएँ में बपतिस्मा दिया और शराब समेत सभी बुरी आदतें छोड़ दी।

नवजीवन सेवा मंडल (एनएसएम)

धर्म NSM के सामाजिक कार्यों के द्वारा भी जोग बढ़ता गया। जिसमें सड़कें बनवाई गईं, बकरियाँ और पौधे बाँटे गए, स्कूल चलाए गए, कपड़े और किताबें दी गईं, और ट्यूशन क्लास चलाई गईं।

हालाँकि कुछ लोग फायदे के लिए चर्च में शामिल हुए और बाद में वापस चले गए, परन्तु अभी के लोग सच्चे दिल से परमेश्वर को खोजते हैं।

चर्च की जमीन

अप्रैल 1989 में, चर्च की 6534 वर्गमीटर जमीन के लिए 50 रुपए एडवांस दिए गए थे। पेंथुरु मुनियप्पा और मिशनरी श्री राजन एंड्रयूज जमीन खरीदने में अगुवाई कर रहे थे।

मण्डली एवं समुदाय

पहले, अलहल्ली, समंधकोट्टई, बिककनपल्ली और येल्लूर के लोग आराधना में आते थे। जाति के मुद्दों के कारण, उन्होंने बाद में जाना बंद कर दिया। अभी, केवल मनियाम्बाड़ी गाँव के लोग ही आराधना में आते हैं, और सभी विश्वासियों आदि द्रविड़ समुदाय के हैं।

कलीसिया भवन का निर्माण

सेंट एंड्रयूज चर्च 40 × 20 फीट का है, जिसकी दीवारें मिट्टी की हैं। आरम्भ में इसकी छत खपरे वाली थी, जिसे 2000 में एस्बेस्टस की छत से बदल दिया गया था। इसे बनाने का काम बिना किसी विरोध के स्थानीय विश्वासियों की मेहनत से किया गया था। चर्च को 12.04.1990 को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया था, जिसमें पूरा गाँव शामिल हुआ था।

चर्च की गतिविधियाँ

कलीसिया का अगुवा सामुएल सकाप्पा और श्री एंड्रयू सलप्पा हैं। हर महीने रात में एक प्रार्थना सभा होती है जिसमें 25-30 लोग शामिल होते हैं। हर महीने के पहले हफ्ते में श्री एंड्रयू सलप्पा के द्वारा पवित्र प्रभु भोज की आराधना संचालित की जाती है।

प्रार्थना बिंदु

- ❖ मसीही विरोधी समूह रविवार की आराधना के समय ट्यूशन क्लास चलाते हैं, जिससे बच्चे चर्च नहीं जा पाते।
- ❖ जाति भेद के कारण, दूसरे गाँववाले मनियाम्बाड़ी के विश्वासियों के साथ आराधना करने से मना कर देते हैं।
- ❖ इन दिनों में कलीसिया बहुतायत से फल लाए।

पथ प्रदर्शक

एक मिशनरी जिसने भारत में गरीबों की सेवा की

मार्क डेनिएल बंटैन मार्क एक समर्पित मिशनरी थे जिनके जीवन में गरीबों और जरूरतमंदों के लिए यीशु मसीह की गहरी दया झलकती थी। उनका जन्म 26 जनवरी, 1923 को विनीपेग, मैनिटोबा, कनाडा में एक पेंटेकोस्टल पुरोहित के घर में हुआ था। कम उम्र से ही, मार्क मिशनरी कहानियों से प्रेरित थे और उनमें अपने जीवन को परमेश्वर की सेवा में लगाने की गहरी इच्छा पैदा हुई।

रेडियो ब्रॉडकास्टर के तौर पर काम करते हुए, मार्क को परमेश्वर की ओर से एक जबरदस्त बुलावा आया कि वे अपना व्यवसाय छोड़कर पूर्णकालिक सेवकाई में आ जाएं। हुल्दा मुनरो से शादी करने के बाद, उन्होंने ब्रॉडकास्टिंग से इस्तीफा दे दिया और कनाडा के सस्केचेवान में पुरोहित के रूप में सेवा की। बाद में उन्होंने ताइवान, श्रीलंका, फिलीपींस, हांगकांग और जापान जैसे कई देशों में मिशनरी प्रचारक के रूप में सेवा की, एवं अंतर-सांस्कृतिक सेवकाई में अपना कीमती अनुभव प्राप्त किया।

भारत के लिए परमेश्वर की बुलाहट

1954 में, परमेश्वर का स्पष्ट बुलाहट का पालन करते हुए मार्क और हुल्दा बंटैन ने अपने एक वर्ष की बेटी योनी को गोद में लेकर तीन महीने की समुद्री यात्रा के बाद भारत के कोलकाता पहुँचे। आरम्भ में उनका इरादा गरीबों की सेवा करते हुए भारत में सिर्फ एक वर्ष बिताने का था। परन्तु, उन्हें बहुत बड़े मानवीय संकट का सामना करना पड़ा। वह एक वर्ष का समर्पण शीघ्र ही आजीवन विनम्र और त्याग भरी सेवकाई में परिवर्तित हो



मार्क डैनियल बंटैन
(1923 - 1989)

गया।

उन्होंने अपनी सेवा की शुरुआत एक साधारण तरीके से की, एक खाली जमीन पर टेंट लगाया और यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार किया। ऐसी ही एक सभा के दौरान, एक आदमी ने मार्क को टोकते हुए कहा, "प्रचारक, पहले हमारा पेट भरो, फिर हमें स्वर्ग में रहने वाले उस परमेश्वर के बारे में बताओ जो हमसे प्रेम करता है।"

उन शब्दों ने मार्क के हृदय को छू लिया और सेवकाई के बारे में उनकी समझ बदल दी। उन्हें एहसास हुआ कि सुसमाचार को सिर्फ बातों से ही नहीं, बल्कि दयालु कामों से भी दिखाना चाहिए।

कलकत्ता मर्सी मिशन का जन्म

इस अहम पल ने 1964 में कलकत्ता मर्सी मिशन की स्थापना की। मिशन ने सेवा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को अपनाया—भूखों को खाना खिलाना, गरीबों को पढ़ाना, और बीमारों को मेडिकल केयर देना।

ईश्वर प्रदत्त इस दर्शन के अंतर्गत:

- असेंबली ऑफ गॉड चर्च स्कूल कोलकाता में शुरू किया गया, जो हजारों जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा एवं आशा प्रदान करता था।
- एक छोटा सा मेडिकल क्लिनिक बनाया गया, जो बाद में एक मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल बन गया, जिससे अनगिनत लोगों को इलाज और आराम मिला।

सेवकाई का विकास एवं विस्तार

मार्क डैनियल बंटैन ने कई वर्षों तक कोलकाता के असेंबली ऑफ गॉड चर्च के पुरोहित के तौर पर काम किया, जो पूरे उत्तर भारत में कलीसिया

बनाने और सेवकाई का केन्द्र बन गया। इस सेवकाई के माध्यम से 900 से अधिक कलीसियाओं का निर्माण किया गया। उन्होंने मास कम्युनिकेशन का भी अच्छी तरह से इस्तेमाल किया, हिंदी, इंग्लिश और बंगाली में रेडियो प्रोग्राम के जरिए सुसमाचार ब्रॉडकारट किया, जिससे वे पूरे भारत और उसके बाहर लाखों सुनने वालों तक पहुँचे।

बहादुर हुल्दा बंटेन – एक विरासत जो जीवित है

बंटेन की अख्यानक मौत के बाद, हुल्दाह बंटेन ने हिम्मत से कोलकाता में रहने और उस दर्शन एवं मिशन को जारी रखने का फैसला किया जिसे उन्होंने मिलकर बनाया था। अधिकतर पुरुष प्रधान वाले समाज में, हुल्दा ने मजबूत, हिम्मत वाले और भरोसे से भरे नेतृत्व की मिसाल पेश की।

उनके नेतृत्व में, कलकत्ता मर्सी मिनिस्ट्री दुनियाँ भर में फैली और अब 21 से भी ज्यादा देशों में काम करती है, और गरीबों की सेवा प्रेम, सम्मान और दया के साथ करती है। आज, उनकी बेटी बौनी, परिवार के दूसरे सदस्यों और एक अंतरराष्ट्रीय सदस्यों के साथ, इस विरासत को आगे बढ़ा रही है। बौनी एक रजिस्टर्ड नर्स बनीं, और उनके पति जिम, एक थोरेसिक सर्जन। उनकी प्रोफेशनल एक्सपर्टीज और दया भरी परवरिश ने उन्हें मर्सी हॉस्पिटल की चल रही मिनिस्ट्री में बहुत ही बहुमूल्य साझेदार बना दिया।

निष्कर्ष

मार्क डैनियल बंटेन का जीवन परमेश्वर की बुलाहट को मानने और कामों के द्वारा प्रगट विश्वास का एक मजबूत उदाहरण है। उन्होंने सिर्फ अच्छी बातें नहीं कहीं – बल्कि उन्होंने मूर्खों को खाना खिलाकर, गरीबों को पढ़ाकर, बीमारों की सेवा और निराश लोगों में उम्मीद जगाकर अपना जीवन बिताया। कोलकाता की सड़कों पर दया से पैदा हुआ उनका नजरिया एक वैश्विक आन्दोलन बना गया जो दुनियाँ भर में लोगों के जीवन में परिवर्तन को लेकर आ रहा है।

शोक संदेश



श्री पीटर पर्सी प्रभाकर राव इम्वाराज का (जन्म 26 अगस्त 1926) और श्रीमती सिल्विया श्यामला देवी प्रभाकर राव का (जन्म 09 अगस्त 1933) को हुआ था। सिकंदराबाद में कई दशकों तक समर्पित FMPB प्रार्थना साथी और विश्वासयोग्य प्रायोजक थे। अपने जीवन और गवाही के द्वारा उन्होंने कई परिवारों को मिशन के दर्शन से परिचित कराया, और कई लोगों को परमेश्वर के काम में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। परमेश्वर के प्रति उनका समर्पण हमेशा बना रहा और उन्होंने अपनी आखिरी सांस तक ईमानदारी के साथ उसकी सेवा की। एक दत्तपति के तौर पर, वे अनगिनत लोगों और परिवारों के लिए बहुतायत की आशीषों और साहस के श्रोत थे। परमेश्वर ने अपनी इच्छा से, दोनों को सिर्फ एक ही हफ्ते के अंदर अपने स्वर्गीय निवास में बुला लिया। श्री पीटर पर्सी प्रभाकर राव 22 दिसंबर 2025 को हमेशा के लिए सो गए, और 03 जनवरी 2026 को श्रीमती सिल्विया श्यामला देवी भी उनके बाद सो गईं। जब हम उनके शानदार जीवन और शक्तिशाली गवाही के लिए परमेश्वर का शुक्रिया अदा करते हैं और उनकी तारीफ करते हैं, तो हम प्रेम और प्रार्थना के साथ उन परिवारों को भी स्मरण करते हैं जिन्हें वे पीछे छोड़ गए हैं। प्रभु उन्हें अपनी शांति से दिलासा दें और अनंत जीवन की आशा से उन्हें मजबूत करें।

— एफ.एम.पी.बी. परिवार, सिकंदराबाद



श्री दौजापाखो गुइटे, श्री. बुंगलेनलाल सिंगसिट
श्रीमती मैलोडी डिमोथिंग देकेई
श्री सियानलुन्थांग जोऊ टी., श्री. लियान सिन थांग एच.

जम्मू

नारोट: सियांगलुंगथांग जोऊ टी.
एवं ल्हिंगनेईहोई

स्तुति: हम परमेश्वर की कृपा के लिए उनकी तारीफ करते हैं कि उन्होंने संडे स्कूल क्लास के जरिए बच्चों को प्रभु में बढ़ने में मदद की एवं राजबाग इलाके में हुई तीन दिन की उपवास प्रार्थना में 14 साल से कम उम्र के बच्चों ने भाग लिया। बिजनेस गिरने की वजह से परानी नाम का एक विश्वासी मानसिक परेशानी में था जिसके कारण वह अपने बच्चों की स्कूल फीस नहीं दे पा रहा था; भगवान ने सबकी प्रार्थनाओं से उसका बिजनेस फिर से शुरू करने में मदद की। परमेश्वर ने आदिवासी लोगों के बीच सुसामाचार प्रचार करने सहायता की। स्वेता को प्रार्थन के द्वारा शैतान के चंगुल से आजादी मिली।

प्रार्थना: शबी, रोहित, ईश्वर दास, बिंदु, डैनियल जॉर्ज और पारस के लिए प्रार्थना करें कि वे नशे की लत से छुटकारा पाएँ। कठुआ जिले के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले गुज्जर और आदिवासी लोगों के बीच सुसामाचार का प्रचार किया गया है, प्रार्थना करें कि परमेश्वर लोगों के हृदयों में काम करें ताकि वे परमेश्वर को ग्रहण करें। यशोदा, मंगल, सुनीता, लक्ष्मी के परिवारों और कुशल, मानवी, विजय, रोहित और बिंदु जैसे लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में अपना विश्वास

को प्रगट करें। शशि बालू जो एक मुख्य बीमारी से पीड़ित थीं, सर्जरी के बाद भी बैठने में परेशानी महसूस कर रही हैं; परमेश्वर से प्रार्थना करें कि उसे पूरी रीति से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि नागरी, पलाल, जड़ाना, माहिचक और सोंडाली गाँवों में आराधना सेवाओं को फिर से शुरू किया जा सके जो जो विरोध के कारण रोक दी गई थीं।

प्रार्थना विजय लाती है

पेंट मिशन क्षेत्र के बोरपाड़ा और धनपाड़ा गाँव में मिशनरियों और विश्वासियों को कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। गाँव के लोगों ने धनपाड़ा विधानसभा के जरिए एक प्रस्ताव पास करने का प्लान बनाया। पंचायत ने गाँव में होने वाली आराधनों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए 27 जनवरी, 2026 को एक सभा बुलाई। हमारे मिशनरी और विश्वासीगणों ने 26 जनवरी, 2026 की रात को बोरपाड़ा गाँव में इकट्ठा हुए और प्रार्थना की। अगले दिन, हमारे विश्वासीगण पंचायत की सभा में शामिल हुए। विरोधियों ने आराधना करने वालों और विश्वासियों के खिलाफ मांगें रखीं। भले ही हमारे विश्वासियों की संख्या कम थी, प्रभु ने उन्हें विनम्रता से बात करने की हिम्मत और समझ दी। इसके अलावा, उन्होंने मसीह के लिए अपनी गवाही शेर की। यह सुनकर, पंचायत अधिकारी ने कहा कि पंचायत के पास मसीहियों के खिलाफ कोई प्रस्ताव पास करने का कोई अधिकार नहीं है और ऐसा करने से सभी के लिए गंभीर कानूनी समस्याएँ पैदा होंगी। इस वजह से, विश्वासियों के खिलाफ कड़ी मांगें वापस ले ली गईं। परमेश्वर ने मदद की ताकि आराधना बिना किसी रुकावट के जारी रह सके। आईए हम परमेश्वर को इस महान सहायता के लिए धन्यवाद दें जिसने हमारी प्रार्थनाएँ सुनीं और स्थिति को बदलने में मदद की।



जन्मदिन मुबारक

श्री संधिल मुरुगन वी.

श्रीमती ओलिव जेनिफर नथानिएल एडवर्ड

श्रीमती जेबा रोज विजयन

रियासी:

शेख सुमानी एवं

एमी बैक्या

स्तुति: हरपाल और सुल्पथरा गाँवों में अयोजित रात्रि सभा के द्वारा, प्रभु ने कई लोगों की जिंदगी को जबरदस्त तरीके से छुआ है। हमें खुशी है कि दो परिवारों ने, जिसमें एक ऊँची जाति का परिवार भी शामिल है, प्रभु को अपना लिया है और मसीह के उद्धार देने वाला ज्ञान को पाया। वास्तव में, प्रभु का वचन जीवित और सक्रिय है, जो सभी रुकावटों को पार करके हृदयों में पहुँचता है। हम मंत्रा और मनु को बचाने के लिए भी परेश्वर की तारीफ करते हैं, जो दुश्मन के चंगुल में फँसे हुए थे। सच्ची और लगातार प्रार्थना के जरिए, उन्होंने मसीह में आजादी और शांति पाई। आईए हम अंधकार की सभी ताकतों पर उनके अधिकार के लिए परमेश्वर की बड़ाई करें। हम अंजलि पर चंगई देने वाले स्पर्श के लिए प्रभु का शुक्रिया अदा करते हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थी। उनकी कृपा से और उनके लोगों की प्रार्थनाओं से, वह अब ठीक हो रही है। हम मानते हैं कि वह यहीवा राफा हैं, जो हमें चंगाई देता है। हम प्रथम युवा शिविर की सफलता के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करते

हैं। इस शिविर में बहुत से युवाओं ने माग लिया और परमेश्वर के वचन से बहुत प्रभावित हुए। उन्हें अपना जीवन प्रभु को समर्पित करते और उनकी सेवा के लिए खुद को समर्पित करते देखना बड़ी खुशी की बात है। आईए हम परमेश्वर की स्तुति करें कि उसने अपने राज्य के लिए एक नई पीढ़ी तैयार की है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि विश्वासी की बेटी थानिया के लिए एक सही जीवन साथी मिले। प्रभु अपनी पूरी इच्छा के अनुसार उसे एक ईश्वर का डर मानने वाला जीवन साथी दें और उसका मार्गदर्शन करें। सिरपत गाँव की पूजा के लिए प्रार्थना करें, कि वह विश्वास में मजबूत हो और अपने विश्वास में गहराई से जम जाए, और हर हालात में मजबूती से खड़ी रहे। हमारे सम्पर्क में आए शुल, सिरपत, मुथल और सांबा गाँवों के लोगों के लिए प्रार्थना करें। वे सभी सभाओं में सक्रिय और उत्साह से हिस्सा लें, और उनका विश्वास दिन-ब-दिन मजबूत होता जाए। आगामी "मसीह को स्वीकार करना" इवेंट के लिए प्रार्थना करें कि कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक हो, और बहुत से लोग प्रभु में अपने विश्वास को मानने के लिए हिम्मत से आगे आएँ। कलीसिया के प्राचीनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रार्थना करें। जिससे लीडर्स ईमानदारी से सेवा करने और ज्ञान और कृपा के साथ परमेश्वर के लोगों की देखभाल करने के योग्य बनें। आईए हम विश्वास के साथ मध्यस्थता करते रहें, यह विश्वास करते हुए कि जिसने यह अच्छा काम शुरू किया है, वह इसे पूरा करेगा।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मारियाम्मल पील सोलौमन

श्री आइज़क आर., श्री. दाऊद दुडू

श्रीमती ब्यूला मुरलीधरन

श्रीमती जया सौंदरी जेबासाज सामुएल

श्री रवींद्र मुर्मू

श्रीमती माया दिनेश डाबर

हिमाचल प्रदेश

करसोग:

पवन कुमार एवं

प्रभाशिनी देवी

स्तुति: एक लड़के आर्क के जीवन में प्रगट परमेश्वर की चंगा देने वाला शक्ति के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें जो पेट की गंभीर इन्फेक्शन से परेशान था। उसकी माँ की सच्ची प्रार्थनाओं के द्वारा प्रभु ने दया करके उसे पूरी तरह से चंगाई दी। वास्तव में, परमेश्वर अपने लोगों की पुकार सुनता है और अपने सही समय पर उत्तर देता है। एक शैतानी आत्मा के असर की वजह से रात में परेशान और चिल्लाती रहने वाली सपना के जीवन में परमेश्वर की जबरदस्त छुटकारे के लिए के लिए भू परमेश्वर का धन्यवाद करते हैं। विश्वासियों की सच्ची प्रार्थनाओं से, परमेश्वर ने उसे छुटकारा दिया और शांति से भर दिया। आईए हम परमेश्वर की स्तुति करें, जिसके पास सारे अंधेरे पर अधिकार है, और उनका नाम छुटकारा और सुधार लाता है।

हम परमेश्वर को उनकी कृपा के लिए भी उनकी तारीफ करते हैं, जिससे इस इलाके में सभी सेवकाई बिना किसी रुकावट के चलती रहें। मुश्किलों और विरोध के बावजूद, परमेश्वर अपने सेवकों को मजबूत करने और अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए द्वार खोलने में विश्वसयोग्य रहा। उसकी निरन्तर उपस्थिति और अगुवाई के लिए परमेश्वर को सारी महिमा मिले।

प्रार्थना: काजोलिन के पति के लिए प्रार्थना करें, जो अभी उसे चर्च जाने से रोक रहे हैं। प्रभु उनके दिल को छुए, हर रुकावट को दूर करे और उन्हें मसीह के प्रेम से भर दे। प्रार्थना करें कि उनमें बदलाव आए और वे खुद सच्चाई को जानें। सुनीता के परिवार के लिए प्रार्थना करें, जो कई वर्षों से संतानुख का इन्तजार कर रही है। ईश्वर अपनी दया से उन्हें रमरण रखें और अपनी मर्जी के अनुसार उन्हें माता-पिता बनने की खुशी प्रान करे। इस इलाके के सभी विश्वासियों के खेतों में अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करें। प्रभु उनके हाथों के कामों को आशीर्वाद दे, उनकी जरूरतें पूरी करे, और उन्हें भरपूर आशीष दे ताकि वे उसकी अच्छाई की गवाही दे सकें। इस इलाके में ईमानदारी से सेवा करने वाले मिशनरियों, काम करने वालों और विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें। ईश्वर उन्हें सभी नुकसान और खतरों से बचाए, उन्हें शरीर और आत्मा से मजबूत करे, और अपने राज को बढ़ाने के लिए बहुतायत से उनका इस्तेमाल करे। आईए हम प्रार्थना में दृढ़ रहें, यह भरोसा करते हुए कि हमारा परमेश्वर हमारी मौंगों या सोच से कहीं ज्यादा देने में सामर्थी है।



श्रीमती ग्रेसी स्टेनली जॉर्ज
श्रीमती गौरम्मा @ रवेता अमारेंद्रन
श्रीमती अन्ना रोज़लीन इसहाक हाबिल

पंजाब

बुधलाड़ा:

प्रताप राहंग एवं रश्मि

स्तुति: बुधलाड़ा, तलवाड़ी, मुनक और बरेटा गाँव में काम को आरम्भ करने और निरन्तर करने में हमारी सहायता करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। बिरोक कलां में चर्च बनाने के लिए ग्रामीण मुखिया से अनुमति मिलने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। पालो कौर को निरन्तर प्रार्थना के बाद एक बुरी आत्मा के चंगुल से आजाद हुई, मुनक चर्च की आराधना सेवा में हिस्सा लेने वाले एक नए परिवार के लिए; और एक ऐसे परिवार के लिए जो पीछे हट गया था परन्तु अब फिर से परमेश्वर की खोज कर रहा है, परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: आईए हम चोटियां, बिरोके कलां, दरियापुर और पैद गाँवों में होने वाली सत्संग सभा के लिए प्रार्थना करें; चोटियां, पुरार, चक भाई के और किशन गढ़ गाँवों में जीसस फिल्म मिनिस्ट्रीज के लिए; और बुधलाड़ा चर्च की छत के रेनोवेशन के काम के लिए जरूरी पैसे की जरूरतें पूरा होने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

लेहरागागा:

इसाक एबेल एवं अन्ना रोज़लीन

प्रशंसा: कड़ीला बस्ती गाँव में सुसमाचार की घोषणा करने के लिए तथा एक त्रिभुजा सभा अनुमति मिलने के लिए परमेश्वर की स्तुति करें। सोनिया के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो

प्रार्थना के द्वारा एक लंबी बीमारी से ठीक हो गई; बनिया समुदाय की रामका बाई के परिवार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसको प्रार्थना के द्वारा शैतान के चंगुल से छुटकारा मिली और उसने यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार की। कड़ीला बस्ती और जगतपुरा गाँव में रोजाना प्रार्थना सभा शुरू करने में परमेश्वर ने हमारी सहायता की।

प्रार्थना: आईए हम प्रार्थना करें कि परेश्वर कड़ीला बस्ती और उलाना गाँव के लोगों के हृदयों में काम करें, जहाँ सुसमाचार का प्रचार किया गया है। विश्वास से भटके मिट्टा सिंह, करम सिंह और सोनिया के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में लौट आएं। दर्शन के लिए प्रार्थना करें जिसे घर बनाने के लिए सरकारी मदद मिली थी, घर का निर्माण अच्छी तरह से पूरा कर सके। गाँव में नशा बेचने वाला राम सिंह के मन परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें।

उत्तरखंड

दिनेशपुर:

शिवकुमार एवं सुशीला मारक

स्तुति: परमेश्वर ने हमें तीन नए गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार करने की अनुमति दी। एक विश्वासी की बेटी ज्योति की शादी उसके अपने ही गाँव में मसीही रीति-रिवाजों के अनुसार सफलतापूर्वक हुई। प्रियंका को प्रार्थना के द्वारा बच्चेदानी की बीमारी से चंगाई मिली। 10 वर्षीय प्रभु नामक लड़का के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसने माता-पिता की सच्ची प्रार्थनाओं के उत्तर में गुर्दे पत्थरी की समस्या से पूरी तरह चंगाई दी।

प्रार्थना: आईए हम सैलीगंज गाँव के पामवेचा पौल के परिवार के लिए कि उनकी जमीन की समस्या दूर हो और वे मसीह में विश्वास करें। तेजा बलिया के लिए प्रार्थना करें जिनका परिवार वाले चर्च जानें से रोक रहे हैं। परमेश्वर का प्रेम उनपर प्रगट हो। धर्मपाल और ओमप्रकाश के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें जो व्यवसाय में नुकसान की वजह से परेशान हैं परमेश्वर उन्हें सहायता प्रदान करें। परमेश्वर उन गाँवों में अक्की फसल दें जहाँ सुसमाचार का प्रचार हुआ है।



जन्मदिन मुबारक

श्री राम कृष्ण अग्नीवाड़ा
श्री बालाजी नेट्टालम, श्री अमरेंद्रन
श्रीमती जेबा ग्रेस डेविड
श्रीमती रुक्मणी हेम्ब्रम

मलधनचौर:

शिशु पाल एवं अनीता

स्तुति: बाल सिविर की सफलता के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसमें 35 बच्चों ने हिस्सा लिया और बाईबल की आयतें सीखीं। परमेश्वर ने हिम्मतपुर गाँव में कई लोगों को हमारे सम्पर्क में दिया। परमेश्वर को धन्यवाद दें कि उसने बिना किसी विरोध के जीप दल के द्वारा सुसमावचार का प्रचार करने में हमारी सहायता की। आईए हम उन चार लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया।

प्रार्थना: आईए हम प्रार्थना करें कि कनिया और थंडिया गाँव में प्रार्थना सभाओं में नए आने वाले लोग यीशु मसीह को सच्चे प्रभु के रूप में जानें। मिट्टू और मेलुत को फेफड़ों के इन्फेक्शन से चमत्कारिक रूप से चंगाई मिले। अजय, गीता, सुखविंदर, गुरमित और आयुष के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। शराब की लत से छुटकारा पाने के लिए संघर्ष कर रहे कुछ विश्वासियों के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

किच्छा:

बिभाबा पानी एवं बिथिका नायक

स्तुति: परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से पूरन सिंह को टू-व्हीलर एक्सीडेंट से बचाया।

गुरमीत सिंह मसीह की मण्डली में शामिल हो गया है। लक्ष्मी को प्रार्थना के द्वारा पैर की सर्जरी के बाद चंगाई मिल रही है। आईए हम परमेश्वर की स्तुति करें कि जिसने विश्वासियों के बच्चों को स्कूल और सरकारी परिक्षा अच्छी तरह लिखने में सहायता की।

प्रार्थना: आईए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह चकरी फार्म गाँव के अमीन के परिवार की रक्षा करें, जिन्हें अपने विश्वास के कारण विरोध का सामना करना पड़ रहा है। जिन्होंने मसीह को स्वीकार किया है, वे सामाजिक डर को दूर करें और हिम्मत के साथ आराधना में शामिल हों। परमेश्वर मंगला और सजना इलाकों में सुसमाचार का प्रचार करने के लिए द्वार खोले।

बाजपुर:

क्रिश्चियन प्रकाश एवं कोकणी

सुमित्रावेन

स्तुति: प्रार्थना के द्वारा ताली गाँव के बलजीत को शैतान के बन्धन से छुटकारा मिली। परमेश्वर ने प्रार्थना के जरिए खोया हुआ मोबाईल फोन ढूँढ़ने में मदद की। परमेश्वर ने कनक नामक एक बहन पर कृपा की ताकि वह नर्सिंग की पढ़ाई कर सके। माता-पिता और मंडली की सच्ची प्रार्थनाओं के द्वारा 12 वर्षीय हर्षित के शीघ्र चंगाई के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो जिनकी पसलियाँ एक्सीडेंट में कुचल गई थीं।

प्रार्थना: तीन महीने की प्रेग्नेंट नीतू के लिए प्रार्थना करें कि उसको शरीर की सृजन संचंगाई मिले। प्रार्थना करें कि विश्वासी हरमनसिंह की विदेश जाने की कोशिशें सफल हों। सोनी और लकी नाम के लड़कों पर किया गया जादू-टोना नाकाम हो जाए। अजादू-टोने में शामिल सरोज मन किराव और उद्धार के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्री सुदर्शन थॉमस जेयाराज
श्री फ्रैंकलिन एम.वाई. पाथम ए.एस.
श्रीमती सूर्यकांति उदित कुमार बाग
श्री गोडिसेला प्रवीण

हरियाणा

बरवाला:

मिंदू कुटुम एवं सुभ्रा बाग

स्तुति: परमेश्वर ने कबीरपुर गाँव की कलीसिया में प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने में हमारी सहायता की। पौड़ी बेंन को लम्बे समय से हो रही सर्दी खांसी से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर ने हमें अजमेर और बरवाला गाँव के कामरीथ नाम के एक नौजवान को प्रार्थना से पूरी तरह चंगाई दी जो लंबे समय से बीमारियों से परेशान था।

प्रार्थना: आईए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि राजबीला और आशीष नाम के लड़के को ठीक करें, जो किडनी स्टोन से परेशान हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सुनने में असमर्थ मंजू को चमत्कारिक तरीके से चंगाई प्रदान करे। बरवाला में होने वाला आगामी सत्संग कार्यक्रम एवं युवा शिविर बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक हो। कबीरपुर में प्राचीनों की सभा और बुधवार को महिलाओं की सभा आसानी से हो, ताकि बहुत से लोग इसमें हिस्सा ले सकें और परमेश्वर के प्रेम को जानें।

जीवन नगर:

एलियाकिम जेना एवं दीपिका

स्तुति: 27 साल के हरीश सौरिया को प्रार्थना के द्वारा गुदें की पत्थरी से चंगाई मिली। बिलासपुर गाँव के दम्पति शिलासिंह और कंथा अपने

परिवार के सदस्यों को क्राइस्ट में ले जा रहे हैं। हम राहुल और मीनाक्षी दम्पति पर दिखाई गई कृपा के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं जो कई वर्षों के बाद प्राप्त अपने बच्चों का नाम रखने के लिए कलीसिया में आए।

प्रार्थना: आईए हम जेरकर गाँव के उन नौ परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो पेशे से कुम्हार हैं, हालांकि उन्होंने ईसा मसीह को अपना लिया है, परन्तु वे चर्च आने में झिझकते हैं। प्रार्थना करें कि उनका घर दूर हो और परमेश्वर की आराधना करने के लिए कलीसिया में भाग लें। साथ ही, एनीमिया से पीड़ित रानी देवी के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह उसको चंगाई प्रदान करे। पूजा कुमारी और हमारे मिशनरी के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें। आईए दीपिका जैन के लिए प्रार्थना करें कि वह भय रोग से शीघ्र चंगाई पाए।

फतेहाबाद:

डेविड एस. एवं जेबा ग्रेंस

स्तुति: परमेश्वर ने हमें 14 स्थानों पर रात्रि सभा और 13 जगहों पर सत्संग सभा का संचालन करने में हमारी सहायता की। जब प्रियंका ने अपने पति विकी के लिए ऑसुओं के साथ प्रार्थना की, जिसे झूठी शिकायत के कारण जेल में डाल दिया गया था, तो परमेश्वर ने प्रार्थना सुनी और विकी को जेल से रिहा होने में मदद की। आईए हम अशोक नगर चर्च की तीसरी सालगिरह के जश्न की सफलता के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि अशोक नगर, शास्त्री नगर, सुभाष नगर, पाटलिपुट और भाटिया कॉलोनी में विश्वासियों द्वारा की जाने वाली प्रार्थना सभाएँ बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से चलती रहे। आत्माओं को जीतने के लिए विश्वासियों के बीच बना दल के लिए प्रार्थना करें कि वह सक्रिय रूप से कार्य करें। कद्दुबिन के पति जोसी, जो हाल ही में विश्वास में आए थे और गाड़ी से गिरने के बाद घायल हो गए थे, प्रार्थना करें कि उसे शीघ्र चंगाई मिले। वैवाहिक जीवन के 15 वर्षों से निःसंतान सनासिंह और कृष्णा के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करें।



श्री पवन कुमार

रतिया:

विजय कुमार एवं जेबाला एस.

स्तुति: लगभग 80 लोगों ने बाईबल ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लिया और परमेश्वर की ओर से आशीष मिली। कोही, जो एक वाहन दुर्घटना में बेहोश हो गए थे विश्वासियों की प्रार्थनाओं से चंगाई मिली। परमेश्वर ने अपनी दया से हर विश्वासी के घरों में लेंटेन सीजन की प्रार्थनाएँ होने में मदद की। आईए हम उन तीन परिवारों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो आठ जगहों पर होने वाली रात्रि की सभाओं के दौरान सुसमाचार सुन रहे हैं।

प्रार्थना: मानसिक रूप से बीमार बिरपन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। जमालसुर चर्च के विश्वासियों के बीच एकता के लिए प्रार्थना करें। ए लकवा से पीड़ित मुकेश रानी को चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि कलीसिया के अंगुवों और महिलाओं का आत्मा जीतने वाला प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक चलाए जाएं।

कलावाली: अनिलभाई गावित एवं कल्पना चौधरी

स्तुति: तीन वर्षों से बीमार कलवाना गाँव की इंदु बेन के चर्च आने पर विश्वासियों की प्रार्थनाओं के द्वारा चाँई मिली। कुलदीप कौर, जो लंबे समय से बीमार थीं, जब चर्च आई और प्रार्थना की तो उनके स्वस्थ में सुधार

हुआ। तीन साल के लड़के अमरिया को प्रार्थना के द्वारा शरीर के ट्यूमर से पूरी चंगाई मिली।

प्रार्थना: राज कौर की चंगाई के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें जो फेफड़ों के इन्फेक्शन से परेशान है। मानसिक रूप से परेशान सतपाल को परमेश्वर चमत्कारिक रूप से चंगाई प्रदान करें। विश्वास में पीछे हटे ओदान और कलवाना गाँव के विश्वासी के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में वापस आएँ। विश्वासी साजन के लिए प्रार्थना करें कि वह माता-पिता के फिर से मिले और वे अपने बेटे के साथ फिर से रहने पाएँ।

राजस्थान

उदयपुर:

आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति: कई विरोधों के बावजूद, कटकियापाला गाँव में चर्च बनाने का काम गाँव के मुखिया के सहयोग से बिना किसी रुकावट के चल रहा है। प्रार्थना के द्वारा पुष्पा को ब्लड इन्फेक्शन से चंगाई मिली। लिम्बा और राजेश प्रार्थना से देखने की दिक्कत से ठीक हो गए। प्रकाश और गीता का परिवार नए-नए चर्च आ रहे हैं।

प्रार्थना: पुष्पा के भगंदर रोग (फिस्टुला) से ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। बोलने में असमर्थ राजीव के 5 वर्षीय पुत्र आर्यन के चमत्कारिक चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासियों के बच्चों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने 10वीं और 12वीं की परीक्षा दी है कि वे अच्छे नंबरों से पास हों। आने वाले लोकल बॉडी इलेक्शन में परमेश्वर अपनी इच्छा के अनुसार कार्यकर्ताओं को चुनने के लिए प्रार्थना करें। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विरोध के बावजूद विश्वास में मजबूत रहें।



श्री इमानुएल रंजीतसिंह एस.
श्री सोलोमन जेबाराज जे.
श्रीमती बिन्नी ज्ञानम जॉन दिनेश
श्रीमती अनिया जोसेफिन वेंकटेशन
श्रीमती रेणु अरुण घंटा
श्रीमती सारा मालतो मार्कस
खेरवाड़ा एवं टीडी:
देवाशीष हेम्ब्रोम एवं
शेफाली हंसदा

स्तुति: परमेश्वर ने ममता को गर्भ के फल का आशीर्वाद दिया है। परेश्वरबने पुथर गाँव में एक नई प्रार्थना आरम्भ करने में हमारी सहायता की। राजूबेन को प्रार्थना के द्वारा पेट के ट्यूमर से चंगाई मिली। दो महीने से बीमारी के कारण बिस्तर पर पड़े विनोद भाई को विश्वासियों की प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर ने विश्वासियों को अच्छी फसल दी। परमेश्वर ने विश्वासी प्रकाश को अपना नया घर बनाने के लिए अनुग्रह प्रदान किया।

प्रार्थना: दीपिका, जिसने 10वीं क्लास का एग्जाम दिया था और महिमा, संतोष और साजू, जिन्होंने 12वीं क्लास का एग्जाम दिया था, अच्छे नंबरों से पास होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थन करें कि पुथर गाँव में एक नई प्रार्थना दल की शुरुआत हो।

मित्र समाचार | 28 | अप्रैल 2026

सुसामचार में रुचि दिखा रहे जगदीश और कालूबाई, के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूती से बने रहें। रमेश, खाकरा और मोहन के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो दूसरों को चर्च न जाने की धमकी दे रहे हैं प्रभु उन्हें छुए।

दिल्ली

पटपड़गंज:

जॉन डेविडसन सेल्वराज एवं एस्तेर जी.

स्तुति: कुछ चर्चों में बाइबल क्लास नई शुरु हुई हैं तथा नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। सभी विश्वासियों को बाइबल ऑडियो प्लेट बॉटी गई और सभी को आयतें सुनने और सीखने के लिए हिम्मत दी गई। आईए हम परमेश्वर को धन्यवाद दें जो खून की उल्टी से परेशान आंटी मल्लिका को प्रार्थना के द्वारा पूरी तरह से चंगाई दी।

प्रार्थना: करिश्मा और ईसा के लिए प्रार्थना करें कि वे समलैंगिक पाप (होमोसेक्सुअलिटी) से छुटकारा पाएँ। बिस्तर पर पड़ा कमजोर थवामणि, के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसे पूरी रीति से चंगाई प्रदान करे। दयानंद, सावित्री और चंद्रावती, जो मसीह में दिलचस्पी दिखाते हैं, वे हिम्मत से अपने विश्वास का अंगीकार करें। आईए हम शालू के लिए प्रार्थना करें कि वह बुरी संगति से छुटकारा पाए और अपने पति के साथ शांति से रहे।



जन्मदिन मुबारक

श्री गोल्डन जे. इनबाराज

उत्तर प्रदेश

**गोंडा: ओमप्रकाश गुप्ता एवं
पुम्बा चौधरी**

स्तुति: नट समुदाय के लोग प्रभु में अच्छी तरह बढ़ रहे हैं। परमेश्वर ने विद्याराम के परिवार को, जो पाँच साल से बेऔलाद थे, एक बच्चे का आशीर्वाद दिया है। आईए हम अपने प्रचारक सुंदरलाल के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो पिछले कुछ महीनों से शारीरिक कमजोरी से परेशान था और लगातार प्रार्थना और दवाई के द्वारा पूरी तरह से चंगाई मिली।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग गोंडा सील (जमीन/प्रॉपर्टी) का मामला जल्द सुलझ जाए और हमें न्याय मिल सके। प्रार्थना करें कि हमारे विश्वासीगण विरोध के बावजूद अपने विश्वास में स्थिर रहें। हमारे छात्रावास के उन छात्रों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने 10वीं और 12वीं की बॉर्ड परीक्षा लिखी है ताकि वे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों।

कायमगंज: स्टीफन हंसदा एवं

सुबासिनी मुर्मू

तारीफ: यद्यपि, बाथपुर गाँव के शिवराम एक पेड़ से गिर गया और उनके हाथ-पैर में

गंभीर चोटें आईं, परन्तु परमेश्वर ने चमत्कारिक तरीके से उसकी जान बचाई। प्रार्थना के द्वारा एक विश्वासी की बेटी की शादी तय हो गई है।

प्रार्थना: सतधरा के के वीघ्र चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिनके पैर में कार्यस्थल पर चोट लगी है और उसका इलाज चल रहा है। लंबे समय से बीमार धर्मवीर की माँ के लिए प्रार्थना करें कि परेश्वर उसको पूरी तरह से चंगाई प्रदान करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सुभाषिनी मुर्मू के गर्भ को आशीर्वाद दे और सुतान सुख प्रदान करे।

**हसरन: सुरेश मालतो एवं
प्रेमलता मालतो**

स्तुति: मुतेक्कापुरा, तकवापुर और मंजकिला गाँव में नए शुरू हुए प्रार्थना समारोह बिना किसी रुकावट के सुचारु रूप से संचालित की जा रही है। लंबे समय से बीमार तकवापुर के रश्मिता के पति को परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा चंगाई दी। परमेश्वर ने अर्चना की कमजोरी दूर किया और वह भजन 119 पढ़ते और प्रार्थना करते समय चंगी हो गई।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि हुसैन गाँव में आराधना फिर से आरम्भ किया जा सके जहाँ आराधना रोक दी गई है। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर से मेल मिलाप करने में मजबूत हों। तकवापुर और मुतेक्कापुरा गाँव में रविवारीय आराधना शुरू हो। स्थानीय सेवक मुकुट सिंह का बेटा राजकुमार की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो फेफड़ों की समस्या से जूझ रहा है। गिरने के कारण पैर के फ्रैक्चर से परेशान मंजकिला गाँव का अनुराग की शीघ्र चंगाई के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्री अब्राहम जी,
श्रीमती जेयंती फ्रांसिस

सिकंदरा:

वासावा पचिया भाई एवं
सविताबेन

स्तुति: परमेश्वर ने कई गाँवों में सुसमाचार प्रचार करने में हमें सहायता प्रदान की। विरोधों के बीच भी, विश्वासी हर घर में प्रार्थना करके परमेश्वर के साथ संगति में स्वयं को मजबूत कर रहे हैं। परमेश्वर ने श्याम सुंदर और प्रेमवती की सर्जरी को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद की। रेमावेन का बड़ा भाई, जो पहले मसीह का विरोध करता था, अब उसने अपना विरोध करना छोड़ दिया है।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि विरोध की वजह से घरों में शुरू किए गए प्रार्थना दलों में बहुत से लोग हिस्सा लें और वे बिना किसी रुकावट के चलता रहे। प्रार्थना करें कि गुजरात, काजापोल और काकरिया चर्च में हो रहे विरोध खत्म हो। प्रार्थना करें कि जितेंद्र, आकाश और संजय के परिवारों का विश्वास मजबूत हो। आईए हम भरत सिंह, अक्षय कुमार

और कमलेश के लिए प्रार्थना करें कि वे बुरी आदतों (नशे) से छुटकारा पाएँ।

भरथना:

एस. राजन एवं जेबा मलर

स्तुति: किच्या और अरविंद को प्रार्थना के द्वारा भूत-प्रेतों के प्रभाव से छुटकारा मिला। रामपुर से हमारे विश्वासी सीलमहू के दो बेटे, जिन्हें दिल्ली में दंगों के दौरान गिरफ्तार किया गया था, प्रार्थना से रिहा हो गए। परमेश्वर ने शुक्कमपुर गाँव में पहली बार सुसमाचार का प्रचार करने में हमारी सहायता की। सात लोगों ने यीशु मसीह में नया जीवन पाया।

प्रार्थना: विरोध के कारण बंद हो बैसोली चर्च के लिए प्रार्थना करें कि फिर से खुलने पाए। परिवार की समस्याओं की वजह से अलग रह रहे अनुज और अर्चना दम्पति के फिर से मिलने और शांति से रहने के लिए प्रार्थना करें। हमारे विश्वासियों के बच्चे शामिनी और संध्या के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें योग्य जीवनसाथी मिले। गर्दन के कैंसर से पीड़ित सिलंधर के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर चमत्कारी तरीके से उसको चंगाई प्रदान करे। मोबाइल फोन की दुकान चलाने वाले अविनाश को उसमें होने वाली समस्याओं से छुटकारा मिल। मुर्था गाँव में चल रहे ट्यूशन सेंटर के अच्छी तरह से चलने के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती बेरिल सिरोमनी एंग्लाइवन
श्री पीटर प्रमाहरन

जलौन: गावित राकेश रतिलाल एवं
रेशमा मारुति

स्तुति: पदपुरा गाँव में हुई पूरी रात की प्रार्थना समा में कई विश्वासियों ने हिस्सा लिया और पूरे मन से प्रार्थना की। परमेश्वर की दया से शिशी की सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हुई। हमारे विश्वासी राहुल को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (BSF) के लिए चुना गया है। परमेश्वर ने कोलुंडा गाँव में एक नया आराधना दल शुरू करने में हमारी मदद की। आईए हम उन तीन लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने परमेश्वर के प्रेम को जाना है।

प्रार्थना: परमेश्वर से प्रार्थना करें कि हेमलता और दिनेश के परिवार को संतान सुख प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि प्रीति को ब्रेस्ट कैंसर से पूरी तरह चंगाई मिले। पीरमपुरा गाँव में पहली बार सुसामचार का प्रचार किया गया। प्रार्थना करें कि पवित्र आत्मा उदारखेड़ा और मगुडा गाँव में अपना काम करे। लकवा से पीड़ित अनूप के लिए प्रार्थना करें कि वह पूरी रीति सं चंगाई पाए। आईए प्रार्थना करें कि जॉन गाँव में शुरू हुए प्रार्थना ग्रुप में बहुत से लोग हिस्सा लें और आगे बढ़ें।

मध्य प्रदेश

पाल: महेंद्रन एवं पुष्पम

स्तुति: परमेश्वर ने साथर को प्रार्थना के द्वारा

गुर्दे की समस्या से पूरी तरह चंगाई दी। रहलीकाई नाम का एक विश्वासी दोपहिया वाहन से गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं, परन्तु परमेश्वर ने उसे इलाज और प्रार्थना के द्वारा शीघ्र चंगाई पाने में सहायता की। परमेश्वर ने विश्वासी कैलाश की बेटी प्रार्थना के द्वारा सुरक्षित प्रसव करने में मदद की। नेहुदा गाँव की मंजूवाई हाल ही में हमारी सेवकाई में शामिल हुई हैं।

प्रार्थना: आईए हम काशीराम, सनलाल, अबचार और रूपसिंह के लिए प्रार्थना करें, जो विश्वास में पीछे हट गए हैं, ताकि वे विश्वास में लौटें और प्रभु में मजबूत हों। मंजू के लिए प्रार्थना करें जो आपसी झगड़े के बाद अपने पति से अलग हो गई है फिर से अपने पति के पास आए और साथ में रहें। प्रार्थना करें कि बलोना, पंच पैड़ा, पूंड़ा, सुंकट, निंबोल, नंगरादास और राजुरा गाँव में रुकी हुई आराधना फिर से शुरू हो जाए।

मृत्यु का भय दूर हो गया

राजू महाराष्ट्र के सुरगाना फील्ड के हनुवतमल गाँव के धुले को आँख की एक गंभीर समस्या का पता चला। डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि उनकी आँख की एक नस फट गई है। उन्हें बहुत दर्द और चक्कर आ रहे थे, और उनके दिल में डर बैठ गया था। बेचैनी में, उन्होंने लोकल प्रचारक से प्रार्थना करने की गुजारिश की। लोग उनके घर पर इकट्ठा हुए, उनके लिए उपवास और दिल से प्रार्थना की। उसी दिन से, राजू को सुधार महसूस होने लगा। जल्द ही, उन्हें पूरी तरह से ठीक होने का पहसास हुआ। उन्होंने रविवार की प्रार्थना में गवाही दी, और अपनी सेहत ठीक करने के लिए भगवान को सारी तारीफ दी। हालेलुया!



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुवित्रा लीमा

खंडवा क्षेत्र:

आइजक आर. एवं

सीता

स्तुति: हसनपुरा गाँव की कलीसिया में दो दिन की उपवास प्रार्थना में शामिल होने वाले और गाँव के लोगों के उद्धार के लिए बोझ के साथ प्रार्थना करने वाले 50 लोगों के लिए परमेश्वर के धन्यवाद दें। कलवा चर्च में हुए ट्रेनिंग सेशन में, लगभग 25 महिलाओं को घरों में प्रेयर मीटिंग करने की प्रशिक्षण दी गई। कलवा चर्च में राख बुधवार की आराधना में बड़ी संख्या में विश्वासियों ने भाग लिया और 40 दिनों तक उपवास और प्रार्थना करने का निर्णय लिया।

प्रार्थना: आईए हम मीरपुर की भगवती की सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें, जो प्रेग्नेंसी से जुड़ी दिक्कतों की वजह से कई तरह की शारीरिक कमजोरियों से जूझ रही हैं। सविता के लिए की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो पेट में जलन की वजह से खा नहीं पा रही हैं। लकवा से परेशान जीनलीमाजी के लिए प्रार्थना करें जिसको उसके परिवार ने भी छोड़ दिया है।

परमेश्वर उन्हें पूरी तरह से चंगाई प्रदान करें। आईए हम सुगंती के परिवार के लिए प्रार्थना करें, जो विवाह के बाद कई सालों से बच्चे के लिए प्रार्थना कर रहे हैं परमेश्वर उन्हें संतान सुख प्रदान करें।

घार:

संतु मरांडी एवं

राखी मांडी

स्तुति: तलापानी गाँव में हुए महिलाओं की सोल-विनिंग प्रशिक्षण शिविर में कई लोगों ने हिस्सा लिया और अपने रिश्तेदारों और गाँववालों को मसीह के लिए जीतने का फैसला किया। गुजरमहाना, सजनीपुरा और मुंडाली गाँवों में पहली बार सुसमाचार का प्रचार करने के लिए परमेश्वर ने द्वार खोला। अमजीखुमा गाँव में परमेश्वर अपनी दया से एक नई प्रार्थना की शुरुआत करने में हमारी सहायता की। आईए हम उन तीन लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो मसीही मण्डली में शामिल हुए हैं।

प्रार्थना: दादापनई गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे गाँव में शुरू हुए प्रैड शिक्षा कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लें और इसका लाभ उठाएँ। गुर्दे की समस्या से जूझ रहे अनिल केवारी को चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि मनावरी तालुक में पवित्र आत्मा काम करे, जहाँ पर अभी गॉस्पेल के लिए दरवाजे बंद हैं। पहले से तय प्रशिक्षण शिविर, चर्च के एल्डर्स और महिलाओं की सभा की सफलता के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती लिडिया सददर्शन थॉमस
श्रीमती अहोनी हुटोई अचूमी
श्री क्रिश्चियन प्रकाश एस.
श्रीमती जेबा मालर राजन

असम

गोहपुर: निरुपोमा बेबरता

स्तुति: परमेश्वर की सामर्थ्य से 11 गाँवों में पहली बार सुसामचार का प्रचार किया गया। हमें खुशी है कि उन जगहों पर भी सुसामचार की रोशनी चमकने लगी है, जहाँ पहले उसका नाम नहीं सुना गया था। परमेश्वर ने अपने सेवकों को हैंडबिल बॉटने, पर्सनल विजिट और प्रार्थना के जरिए 19 गाँवों में लगातार द्वितीय चरण की सेवकाई को पूरा करने में सहायता प्रदान की। वास्तव में, सिर्फ उनकी कृपा से ही कई हृदय तैयार हो रहे हैं और जिंदगियाँ छू रही हैं। गोहपुर मिशन क्षेत्र में सेवा कर रहे मिशनरियों की प्रबन्ध और देखभाल के लिए हम परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। अपने सही समय पर, उन्होंने उन्हें एक सही किराए का घर ढूँढ़ने में हमारी मदद की, जिससे हमें काम को ईमानदारी से जारी रखने के लिए स्थिरता और हिम्मत मिली। आईए हम उस परमेश्वर को धन्यवाद दें जो अपने सेवकों की हर जरूरत को देखता और पूरा करता है। हम रेगुलर होने वाली क्रॉस मेडिटेशन मीटिंग के लिए भी परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं। इन समाओं में बहुत से लोगों को हिस्सा लेते, मसीह के बलिदान और प्यार पर ध्यान करते,

और आध्यात्मिक हिम्मत और आशीर्वाद पाते देखना बहुत खुशी की बात थी। इन मीटिंग के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोग उनके प्रेम की गहराई को समझ रहे हैं। परमेश्वर के नाम की महिमा हो।

प्रार्थना: गोहपुर मिशन फील्ड में होने वाला आगामी युव शिविर की सफलता के लिए प्रार्थना करें। उम्मीद है कि बहुत से युवा खुले दिल से इसमें शामिल होंगे और परमेश्वर का आशीर्वाद पाएँगे। प्रार्थना करें कि उनकी जिंदगी बदल जाए, वे प्रभु के साथ अपने रिश्ते में आगे बढ़ें, और वे अपने समुदायों में मसीह के गवाह के तौर पर हिम्मत से खड़े हों। इस इलाके में सेवा करने वाले सभी मूल निवासियों के लिए प्रार्थना करें। प्रभु उन्हें अपने लोगों के उद्धार के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए नई ताकत, जोश और उत्साह प्रदान करें। प्रार्थना करें कि उनके प्रयासों का फल मिले और उनकी सेवा के द्वारा बहुत से लोग प्रभु को जानें। इन सभी गाँवों के सभी विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रार्थना और गवाही का जीवन बिताएँ। प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूत हों, मुश्किलों में डटे रहें, और अपनी बातों और कामों से अपने समुदायों में ज्योति की नाई चमकें। प्रार्थना करें कि सभी गाँवों में “जीसस फिल्म” दिखाने की अनुमति मिले। प्रार्थना करें कि प्रभु द्वार खोले और हर रुकावट को दूर करे ताकि बहुत से लोग मसीह के जीवन और संदेश को देख सकें और समझ सकें। प्रार्थना करें कि जैसे-जैसे फिल्म दिखाई जाती है परमेश्वर लोगों के हृदयों को छूएँ और सुसामचार के प्रति प्रत्युत्तर दें। इन सभी क्षेत्रों में एक बड़ी आध्यात्मिक फसल के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि जो बीज बोए गए हैं, वे भरपूर फल लाएँ, और परमेश्वर के राज्य में बहुत सी आत्माएँ जुड़ें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती हेप्सिबाह जैकब प्रदीप कुमार
श्रीमती कनमनी परिमालम राजासिंह

विहार

अररिया:

धर्मेन्द्र परिच्छा एवं
मधु स्मिता पानी

स्तुति: परमेश्वर ने अपनी दया से दीपक की शादी मसीही रीति-रिवाजों के अनुसार सफलतापूर्वक होने में सहायता की। प्रार्थना से, नीता का परिवार बुरी आत्माओं के चंगुल से बच गया और अब वे आराधना में हिस्सा ले रहे हैं। परमेश्वर ने विश्वासी काजोल के परिवार को एक नई दुकान खोलने में मदद की। परमेश्वर ने लंबे समय से बीमार उमा देवी को प्रार्थना के द्वारा चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना: परमेश्वर से प्रार्थना करें कि सृष्टि कुमारी और विश्वासी काजोल देवी की सास, जो लंबे समय से बीमार हैं, उन्हें पूरी तरह से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि बुरी आत्माओं के काम बंद हो जाएं, जिनकी वजह से विश्वासी सुमित्रा देवी के घर पर रात में पत्थर गिरने जैसी आवाजें आती हैं। प्रार्थना करें कि जिन्हें सुसमाचार साहित्य प्राप्त हुए हैं वे उन्हें पढ़ें और सच्चे परमेश्वर को जानें।

झारखण्ड

माहुलपहाड़ी:

इमानुएल कार्ति एवं
ज्योति लक्ष्मी

स्तुति: हमारी कलीसिया के अगुवे की पत्नी परिमाला देवी के यूटर्स में ट्यूमर था और वह हेपेटाइटिस B पॉजिटिव थीं। सर्जरी का खर्च ज्यादा होने की वजह से, उन्हें चंद्रपुरा के एक हॉस्पिटल में भेजा गया। परमेश्वर की दया से, तमिलनाडु से एक नई महिला स्पेशलिस्ट वहाँ आ गई हैं और अच्छा इलाज कर रही हैं। हमारे कार्यकर्ता साम सुंदर को सीने में दर्द और सड़क दुर्घटना से बचाने और सेहतमंद बनाने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो। आईए हम वॉलंटियर वर्कर रामसिंह के परिवार को सड़क दुर्घटना से चमत्कारिक रूप से बचाने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: 8 चर्चों के उन 54 परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास से पीछे हट गए हैं ताकि वे विश्वास में वापस आएँ। थुली रानी और पुतेन्देहड़ी को लकवे से पूरी तरह चंगाई मिले। हमारे सम्पर्क में ना आए पूरन देहड़ी, रामी देहड़ी और सूरज मुनि देहड़ी के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करें। पाल पहाड़िया युवाओं के आध्यात्मिक जीवन में विकास के लिए। प्रार्थना करें कि कलीसिया के अगुवों का प्रशिक्षण, विश्वासियों का शिविर, युवा सभा और आत्माओं को जीतने का प्रशिक्षण सत्र बिना किसी रुकावट के हों।



श्री बासुदेव मालतो
श्रीमती जेबा देबोराल वेधामणिकम
सुश्री सूरज मुखी

नगर ऊंटारी:
बिपिन बिहारी प्रधान एवं
झरना परिछा

स्तुति: अलकर चर्च की दो बहनें धर्मग्रंथ सीखने में उत्सुकता दिखा रही हैं। परमेश्वर की कृपा से अलकर और थुलसीदामर गाँवों में महिलाओं की समाए होने लगीं हैं। परमेश्वर ने दो विश्वासी बहनों को 20 दिनों के अंदर सिलाई सीखने में मदद की। तुर्की गाँव का एक व्यक्ति, जो लकवा की वजह से विस्तर पर था और बेहोश था, प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली और अब वह अच्छी तरह से बाइबिल पढ़ता है। परमेश्वर का धन्यवाद हो कि अलकर और थुलासिदामर में चर्च का कंस्ट्रक्शन का काम बिना किसी रुकावट के चल रहा है।

प्रार्थना: परमेश्वर काशी के लोगों के बीच सेवा करने वाली स्वयं सविका रीना के परिवार को आशीर्वाद दें। हमारे छात्रावास के छात्रों दीप, आलोक, राकेश, रंजीत, कार्तिक, विराट, संध्या और शिवम काशी के लिए प्रार्थन करें जो इंग्लिश स्कूलों में पढ़ते हैं, अच्छी तरह से पढ़ाई कर सकें। प्रार्थना करें

कि परमेश्वर रोमिल गाँव में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खोल दे जहाँ सुसमाचार का प्रचार करना बहुत कठिन है। प्रार्थना करें कि नगर उंटारी गाँव में हो रहे अंधकार के सभी काम नष्ट किए जाएँ। आईए हम उन विश्वासी परिवारों के लिए उत्साह के साथ प्रार्थना करें कि वे विश्वास और परमेश्वर के वचन में दृढ़ रहें।

पाकुड़िया:

संथिल कुमार तिमोथी एवं
मुथुसेल्वी

स्तुति: परमेश्वर की दया और निरन्तर प्रार्थनाओं के द्वारा मटकावा गाँव के सुनौय सोरेन को लकवा की बीमारी से चंगाई मिली और अब वह चलने में समर्थ है। जिन गाँवों में ठीक से सड़क या गाड़ी की सुविधा नहीं है, वहाँ के लोग भी आराधना के लिए उत्साह के साथ आ रहे हैं। डुमरडोला गाँव का एक जादूगर सुनील हंसदा ने यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। आईए हम इसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि सोलोमन मरांडी के चोरी हुए दो बैल वापस मिल जाएँ। मानसिक बीमारी से पीड़ित सुंदरी मुर्मू को परमेश्वर पूरी तरह चंगाई प्रदान करें। शैतान के काम, जो पैसे के लालच में चर्च के बड़ों को धोखा देता है, खत्म हो जाएँ। चर्च में गड़बड़ी फैलाने वाली महिलाओं के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पुधुमपुर, नवाड़ी, थिथटिया, डिम्बर, सिरुडी और मकला गाँवों में आराधना दल की शुरुआत हो।



जन्मदिन मुबारक

श्री किंग्सली इसाहक जॉनसन एम.
श्रीमती अमृता कुमार पौल
श्री श्रीनिवासन जे., श्री. केनसिंह आर.
श्री अस्ताबन आदित्य कुमार लिम्मा

सुंदरपहाड़ी एवं लालमटिया:

अमारेंद्रन एवं गौरम्मा

स्तुति: परमेश्वर ने संजलि टुडू और राधा किस्कू को एक वाहन दुर्घटना से सुरक्षित बचाया। परमेश्वर ने सोमिया को एक साँप के काटने से बचाया, जब वह सुबह-सुबह अपने दरवाजे पर लेटी हुई थी और गलती से उसके सिर पर पैर रख दिया था। चार लोगों को मसीह का प्रेम का अनुभव हुआ। क्रिसमस के दिन एक छोटी लड़की खोदे गए एक छोटे से कुएँ में गिर गई और मर गई। सभी मुश्किलों से हमारे विश्वासियों की रक्षा करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: ख्रिस्तुस के बेटे सीलास हंसदा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो एक कुत्ते के काटने के कारण बीमार है। कटियारी गाँव भटक हुए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से विश्वास में वापस आएँ। प्रार्थना करें कि परमेश्वर संबलपुर, जामडीहा, खैराबानी और पुलका गाँवों में सुसमाचार का प्रचार करने के लिए दरवाजे खोले। फेफड़ों की समस्याओं से पीड़ित अमीन हेम्ब्रोम (ग्रामीण प्रधान का रिश्तेदार) के लिए प्रार्थना करें कि वह पूरी रीति से चंगाई प्राप्त करें।

कैराबानी बाल छात्रावास: मनोज कुमार पानी एवं संधानी पानी

स्तुति: परमेश्वर की कृपा से 27 स्टूडेंट्स 10वीं क्लास के सरकारी एग्जाम अच्छी तरह लिखने में सफल हुए। कॉलेज के छात्रों के लिए रखे गए एक दिवसीय शिविर में कई लोगों ने हिस्सा लिया और उन्हें बहुतायत से लाभ मिली। 80 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया और तीन दिन की बाइबल क्लास के द्वारा लाभान्वित हुए। परमेश्वर ने हमारे छात्रावास की सभी जरूरतों को पूरी की।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि 10वीं और 12वीं क्लास के सरकारी एग्जाम देने वाले सारे छात्र अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों। प्रार्थना करें कि इस महीने में होने वाली पेरेंट्स मीटिंग में सभी अभिभावकों की उपस्थिति हो और अपने बच्चों के भविष्य के लिए अच्छा कदम उठाएँ। प्रार्थना करें कि छात्रावास के संरक्षक और रसोई छात्रावास का प्रबंधन सही रीति से करने पाएँ। छात्रावास के बच्चे अपनी स्वस्थ का ध्यान रखें और छुट्टियों में परमेश्वर के वचन के अनुसार जीवन बिताएँ।

परमेश्वर जिसने जीम खोला

मध्यप्रदेश के करगोन मिशन क्षेत्र के देखावा गाँव का एक नया विश्वासी विशाई, के एक पाँच साल की बेटी थी जिसका नाम अमृता था और वह जन्म से ही गूंगी थी। वह उसे कई मंदिरों और अस्पतालों में ले गए, परन्तु कोई सुधार नहीं हुआ। जब वे देखावा गाँव में एक प्रार्थना सभा में गए, तो वहाँ मौजूद लोगों ने बच्ची के लिए हृदय से प्रार्थना की। परमेश्वर ने उनकी प्रार्थना सुनी और उसकी जबान खोल दी। आज, छोटी अमृता स्पष्ट बोलती है। सारी महिमा परमेश्वर को मिले!



जन्मदिन मुबारक

श्री प्रभाकर सारथी

श्री बाबू पी.

श्रीमती मैरी जॉन्सी रानी बेनहुर एम.

मांझो:

हिजाम केनेडी सिंह एवं

लिनथोइबी चानू

स्तुति: परमेश्वर की कृपा से विश्वासी एकजुट हुए और पुछू गाँव में एक नया प्रार्थना शेड बनाया। सात लोगों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता माना और नया जीवन में प्रवेश किया। परमेश्वर की कृपा से नौराजा और कथैया गाँवों में लघु प्रार्थना गुप शुरू हो पाया। परमेश्वर ने इचाघोरा और इलोटिया गाँव में सुसमाचार का प्रचार करने के लिए द्वार खोला। आईए हम भगवान की स्तुति करें कि उन्होंने प्रतिमा मुर्मु को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया।

प्रार्थना: बारलो, माडोनशोडे और धायरा गाँव में चर्च बनाने के लिए जमीन मिले और चर्च बनने के लिए अनुमति मिले। प्रार्थना करें कि गोपी सोरेन और निर्मला सोरेन को अपनी बीमारियों से चंगाई मिले। सुशीला सोरेन, पासु सोरेन और भारती मुर्मु को मानसिक बीमारी से चंगाई

मिले। मिनिस्ट्री और आने वाली आश्रम स्कूल ट्रेनिंग बिना किसी रुकावट के हो।

संत थॉमस इंग्लिश स्कूल एवं

आशीष निवास बॉयज होम –

पंदेनी:

विक्टर जयसीलन एवं

राजकुमारी नागोमी;

स्टालिन जीवा एवं रानी;

थोंगखोलुन किपजेन एवं

लाल नुन

स्तुति: परमेश्वर की कृपा से 24 छात्रों ने 10वीं की बॉर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक लिखी। कलकत्ता में हुए मिशनरीज के कैंप में 100 लोगों ने हिस्सा लिया और लाभान्वित हुए। परमेश्वर ने करपील और निशार को प्रार्थना के द्वारा बीमारी से ठीक होने के बाद छात्रावास में वापस आने में मदद की, जबकि वे सुकनपट्टी में अपने घर पर थे।

प्रार्थना: गर्मी के मौसम में कुएँ में भरपूर पानी रहा। नर्सिंग प्रवेश परीक्षा दे रही बेजिलिन के लिए प्रार्थना करें कि वह अच्छे नंबरों से पास हो। नए बने स्कूल भवन का निर्माण मजदूरों के सहयोग से जल्दी पूरा किया जाए। हॉस्टल में रहने वाले रामचंद्रन और राम सुंदर के माता-पिता और भाई-बहनों की सेहत के लिए प्रार्थना करें जो खराब सेहत की वजह से काम नहीं कर पा रहे हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर परिवार के सभी लोगों को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करे।



जन्मदिन मुबारक

श्री रुबेन सामुएल जे., श्रीमती. लिस्सी बाबचन
श्रीमती प्रिस्किल्ला रमेश वेलराज,
श्रीमती. गीतांजलि नायक
श्री जॉन डेविडसन सेल्वाराज

पड़वी: चुचाओ एस. एवं कम्पुंग ताबा

स्तुति: परमेश्वर ने सुनील मांडी के परिवार को एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। धिया में विश्वास करने वालों का मसीह में विश्वास बढ़ रहा है। विश्वासियों के सभी बच्चों ने सरकारी परीक्षाएँ अच्छी तरह से लिखने में मदद करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: धायरा इडू की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु हो गई तथा उसके परिवार को परेश्वर सात्वाना प्रदान सियारा में निर्माणाधीन चर्च का काम शीघ्र पूरा होने के लिए प्रार्थना करें। कलीसिया का सदस्य मधुदेव के लिए मांडी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिस पर शराब पीने की आदत के खिलाफ बोलने पर एक गाँववाले ने हमला किया था। प्रार्थना करें कि परमेश्वर विश्वासियों की जरूरतों को पूरा करे। प्रार्थना करें कि मांडो इलाके में विश्वासियों का अधिक से अधिक हो और उनकी सभी जरूरतें पूरी हों।

बोडुआ: सोन्पु सिसोंग एवं
तिगनैगनैग

स्तुति: परमेश्वर ने छात्रावास के छात्रों को 10वीं एवं 12वीं की बॉर्ड परिक्षा सफलतापूर्वक लिखने में सहायता की। पीलिया, खांसी और

सीने में दर्द जैसी बीमारियों से परेशान कई लोगों को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। आईए हम उन कई लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो छात्रावास संरक्षकों एवं रसोईयों के लिए आयोजित आत्मिक शिविर में शामिल हुए और आशीर्षित हुए।

प्रार्थना: पीलिया से पीड़ित 8वीं क्लास की छात्रा जनुअरा मरांडी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पैर में फ्रैक्चर के बाद घर लौटे पथ्रोस पदिवरम को पूरी तरह ठीक होने और अपने एग्जाम अच्छे से देने के लिए प्रार्थना करें। छात्रावास में समर्पित संरक्षक एवं रसोईया की जरूरत हैं प्रार्थना करें।

पश्चिम बंगाल

समसी: आस्थाबेन अदित्य कुमार लीमा
एवं मनीनी बेबरता

स्तुति: कई सालों से मानसिक बीमारी से पीड़ित जीशु मरांडी को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा संजीवन हंसदा और उनके बेटे को पीलिया से पूरी तरह चंगाई दी। परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों को अच्छी फसल दी और उन्होंने चर्च में उसका एक हिस्सा बढ़ाकर परमेश्वर की महिमा की। वादी गाँव के दो व्यक्तियों ने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता मान लिया। आईए हम एशिबोन गाँव की समारी मुर्मू और लाप्रम गाँवों के लोगों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें जो अपने विश्वास में स्थिर हैं।

प्रार्थना: सुसमाचार सुने सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में आएँ। प्रार्थना करें कि पनपाटा, पड़ीगोला और डोनरकोड़ा गाँव के लोग यीशु मसीह के सुसमाचार के लिए अपने हृदयों को खोलें और उन्हें सच्चा परमेश्वर को मानें। परमेश्वर जीथेलपुर गाँव के घंगामणि टुडू, पडुआपुर गाँव की पुलमणि मुर्मू और वादी गाँव की मरयमानी बारको को संतान सुख प्रदान करे।



जन्मदिन मुबारक

श्री मेनराज आई. संजीव अन्द्रूप
श्रीमती रवर्णलता

रानीगंज:

रामकृष्ण अग्गीबाड़ा एवं
अंजलि देवी

स्तुति: दस लोगों ने मसीह के प्रेम को अनुभव किया। परमेश्वर की कृपा से प्रार्थना के द्वारा लामन सोरेन की खोई हुई साईकिल वापस मिल गई। नेसिगन सोरेन, जो 12 घंटे से बेहोश था, रसोइए द्वारा हृदय से की गई प्रार्थनाओं से होश में आया और खड़ा हुआ। आईए हम संजय हंसदा के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो निरन्तर प्रार्थना के द्वारा साइड-इफेक्ट बीमारी से पूरी तरह चंगाई पाया।

प्रार्थना: सरकार हेम्ब्रोम के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो शराब पीने और जुआ खेलने में खोया हुआ है। प्रणेश हेम्ब्रोम को लकवा की बीमारी से चंगाई मिले। सनीमनी टुडू, जो परिवार के सदस्यों को चर्च जाने से रोक रही है, प्रार्थना करें कि वह मन फिराए और आशीष पाए। आईए हम उन सभी के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने विज्ञाननाथ हेम्ब्रोम

के अंतिम संस्कार में भाग लिया था, जो मसीह को स्वीकार करने के बाद गुजर गए, ताकि वे प्रभु को जानें और स्वीकार करें। गाँव के लोगों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो विज्ञाननाथ के परिवार को अलग-थलग करने में लगे हुए हैं। आईए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह मृतक हेम्ब्रोम के परिवार को आराम और शांति प्रदान करे।

बालुरघाट:

दीपरत्ना एवं मिथिलेश

स्तुति: तीन लोगों ने मसीह में नया जीवन पाया। अमिता किस्कू, जो खून से जुड़ी बीमारी से परेशान थीं, प्रार्थना से ठीक हो गई। 9 साल का गौतम नामक लड़का को प्रार्थना के द्वारा एक सीने से जुड़ी बीमारी से ठीक हो गया। जड़या गाँव में विरोध के बावजूद, पोखरिया गाँव के विश्वासियों ने संगति में हिस्सा लिया और बहुतों को आशीर्वाद मिला। आइए इसके लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि पानाग्राम इलाके में विरोध खत्म हो। अमिता सोरेन, गौरी सिंह और विष्णुवाणी को ईसा मसीह को स्वीकार करने से रोकने वाली रुकावटें दूर हों। लूसिया मरांडी को पेट का दर्द से चंगाई मिले। चलने में असमर्थ देवू मरांडी को लकवा की बीमारी से चंगाई मिले। गौरी सिंह के लकवाग्रस्त हाथ और पैर के काम करने लायक होने के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती शांता विनयराज
श्री जहर साई पन्ना

छत्तीसगढ़

बलौडा बाजार:

रामेश्वर दयाल एवं

मधुकला

स्तुति: कोहकटारा और कोशुंगोडा गाँवों में खुशखबरी का प्रचार का प्रचार किया गया। चित्रकूट जिले में, परमेश्वर की कृपा से फरवरी में हुए मिशनरियों के कैप का सुबह का सेशन सुरक्षित रहा और सत्र का सफलतापूर्वक संचालित की गई। सुवारी गाँव में तीन दिनों की जागृति सभा सफलतापूर्वक संचालित की गई। परमेश्वर ने कलकत्ता और पचपेड़ी गाँवों में बाइबिल क्लास लगातार चलाने में मदद की। परमेश्वर ने मुड़ियाडीह और कंजिनी गाँव में नए प्रेयर ग्रुप शुरू करने में हमारी मदद की।

प्रार्थना: धरम सिंह, जिसने यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है प्रार्थना करें कि वह आत्मिक जीवन में आगे बढ़े। केचादंड गाँव के विश्वासीगण अपने विश्वास में मजबूत हों। परमेश्वर भानुप्रतापपुर जिले में एक प्रार्थना शेड बनाने के लिए जरूरी

स्रोत प्रदान करे। इस इलाके में हो रहे विरोध खत्म हो जाए। शिवनाथ गाँव के लोगों के मन फिराव के लिए प्रार्थना करें जो अपनी जमीन पर प्रार्थना शेड बनाने का विरोध कर रहे हैं ताकि निर्माण कार्य बिना किसी रुकावट के पूरा होने पाए।

सीतापुर:

**मुथु कुमार एवं
नेत्रावती**

स्तुति: अंजोरा चर्च के सदस्य बाबू को मसीही रीति रिवाज के अनुसार अपनी शादी सम्पन्न कराने का मौका मिला। पैरियाथरमुड़ा चर्च के विश्वासीगण हर हफ्ते एक-दूसरे के घरों में प्रार्थना समारोह करके बढ़ रहे हैं। परमेश्वर की कृपा से उवाडीहा, केशवा और समरसिंहा गाँव में सुसमाचार का प्रचार हो सका। आईए हम परमेश्वर की स्तुति करें जिसने सुसमाचार का प्रचार करने का अनुग्रह हमें प्रदान किया।

प्रार्थना: पनरीपानी कलीसिया का अगुवा सुभाष टोप्पो, नवापारा कलीसिया का अगुवा धर्मसाई के जोड़ों के दर्द और सीने के दर्द से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। दीपक और जेसिंथा के परिवार को परमेश्वर संतान प्रदान करे। विजय माझी और शिवनाथ माझी, जो सुसमाचार में दिलचस्पी दिखाते हैं, अपने विश्वास की गवाही दें। अजीत मावर के परिवार, जिन्हें मसीह को स्वीकार करने से रोका जा रहा है प्रार्थना करें कि पश्चाताप करें और बचाए जाएँ।



जन्मदिन मुबारक

श्री अरुलमनी आर., श्री. त्यागराजन पी.
श्री अरविंद कुमार एम.

घरघोड़ा: किंग्सली इसाहक
जॉनसन एवं मीना आर.

स्तुति: ऐसे हालात में जब मिशनरियों को लाबरा गाँव में आने से मना किया गया था, प्रमु ने लसंथर नाम के एक आदमी के बुलावे पर उसके घर में प्रार्थना सभा करने में हमारी मदद की। चार लोगों ने यीशु मसीह के प्रेम का अनुभव किया। परमेश्वर ने विश्वासी प्रमिला को हाथियों के झुंड से चमत्कारिक सुरक्षा प्रदान की।

प्रार्थना: राठिया, सेल्हारन, सारथी और साहू के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूत हों। प्रार्थना करें कि परमेश्वर इस क्षेत्र के कई गाँवों में मिशन कार्यकर्ताओं के विरोध को दूर करके सुसमाचार के लिए एक द्वार खोले। बोकमान गाँव में ओमप्रकाश नाम के एक आदमी के लिए जिसने मंत्रालय का कड़ा विरोध किया था—उसका 5 साल का बेटा अचानक बोलने और खाने में असमर्थ हो गया और उसने मिशनरियों को प्रार्थना करने के लिए बुलाया। प्रार्थना के जरिए, परमेश्वर ने बच्चे को चंगाई दी। आईए हम इस परिवार के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

पत्थलगॉव: पाड़वी सोमालिया एवं
महाला शीलाबेन

स्तुति: अम्मापल्ली, सजापल्ली और थिलडेगा गाँवों में हुए बच्चों के कैंप और मक्कापुर चर्च में हुए बड़ों के कैंप में कई लोगों ने हिस्सा लिया और लाभान्वित हुए। थिलडेगा चर्च में हुई मिनिस्ट्री की 25वीं सिल्वर जुबली में हिस्सा लेने और सम्मान देने वाले सभी चर्च सदस्यों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि मक्कापुर चर्च कंस्ट्रक्शन का काम जल्दी पूरा हो। प्रार्थना करें कि परमेश्वर पिछले तीन महीनों से लकवा से पीड़ित विमला पर दया करे जो चर्च नहीं आ पा रही हैं। आने वाले फेथ टेस्टीमनी इवेंट्स, जीसस फिल्म स्क्रीनिंग और शिविर बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकें।

जमीन के खोए हुए दस्तावेज मिले

रानीगंज के सहरजुरी गाँव की रहने वाली डोला सोरेन, जो एक विश्वासी हैं, ने कई सालों से बचाए हुए पैसों से जमीन का एक टुकड़ा खरीदा और उसे रजिस्टर करवाया। जब उन्होंने दो साल बाद वहाँ घर बनाने की कोशिश की, तो उन्हें यह देखकर बहुत दुख हुआ कि जमीन के रजिस्ट्रेशन के कागजात खो गए हैं। जब उन्होंने यह बात लोगों को बताई, तो सभी ने बोझ के साथ उपवास और प्रार्थना की। परमेश्वर ने प्रार्थना सुनी, जमीन के कागजात ढूँढ़े, और घर बनाने का कार्य शुरू करने में अपना अनुग्रह प्रदान किया। हाल्लेलुय्याह!



जन्मदिन मुबारक

श्री डेविड निकोलसन
श्रीमती बिंदु कांति लीमा श्रीधर मोपिडेनी
श्रीमती हेटनेइकिम लेटखोलुन बईटे

ओड़िशा

जगन्नाथपुर: बासुदेव

मालतो एवं बसंती मालतो

स्तुति: परमेश्वर ने कई नए गाँवों में सुसामाचार सुनाने में हमारी सहायता की। परमेश्वर हमेशा हमारे सम्पर्क में कई नए लोगों को देता और हर महीने सुसामाचार की सेवा बढ़ते जाती बाड़ाजामदा चर्च में यूथ मीटिंग सफलतापूर्वक संचालित की गई। परमेश्वर ने विरोध के बावजूद थोराडी गाँव में अंतिम संस्कार करने में हमारी मदद की। सुमी सिंह को प्रार्थना के द्वारा से गायनेकोलॉजिकल प्रॉब्लम से चंगाई मिली। आईए हम अरुलथिरु, गुना चंद्रा नायक और वासुदेव मालतो दो पहिया वाहन दुर्घटना में मृत्यु से बचाया।

प्रार्थना: हमारे उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो मसीह में अपने विश्वास की वजह से जगन्नाथपुर सब-कोर्ट में कानूनी मुकद्दमा का सामना कर रहे हैं, ताकि वे बरी हो जाएँ। नक्सल इलाके में छोटा नागरा और सारंडा जंगलों के लोगों के लिए – खासकर संथाल, हो, गोरो, लोवाथर और ओड़िया जनजातियों के लिए प्रार्थना करें ताकि वे मसीह के प्रेम को जानें और परमेश्वर उनके

बीच सुसमाचार का प्रचार करने के लिए द्वार खोले। गोरो महासभा के नेता और सदस्यों के मनफिराव के लिए प्रार्थना करें जो गोरो लोगों के बीच सेवा में रुकावट डाल रहे हैं। जेरोनिका के लिए प्रार्थना करें जो अपने विश्वास के कारण विरोध का सामना कर रही हैं अपने विश्वास में स्थिर रहे। चंद्रमुनी बारी (3 साल) और पलवाड़ी बारी (19 साल) जो मिर्गी से पीड़ित हैं, एक 8 महीने का बच्चा जो पूरे शरीर पर फोड़े से पीड़ित है और सुमति अम्मा जो मुँह के कैंसर से पीड़ित हैं, उनके पूरी तरह ठीक होने के लिए प्रार्थना करें।

ज़ीकपानी:

अब्राहम एस. एवं एलिस शीबा

स्तुति: तीन लोग यीशु की मण्डली में शामिल हुए। बुक्रियल गाँव में प्राचीनों की एक सभा सफलतापूर्वक संखलित की गई। जयपुर गाँव में चर्च बनाने का काम प्रार्थना के साथ शुरू हो गया है। टिड्डा प्रिया को प्रार्थना के जरिए एक दुष्टात्मा के बन्धन से छुड़ाई गई। आईए हम जोगनाथ, सोनापुरी, रघुपटनम और नागरा गाँवों में आगे का काम करने में हमारी मदद करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: ACF इलाके में सुसमाचार में रुचि ले रहे लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने विश्वास का अंगीकार करें। प्रार्थना करें कि देवगढ़, मधकोर और इंतपुजी गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई बिना किसी रुकावट के आगे बढ़े। पथरागड़िया, पलवन, अक्कुरिपल्ली और सोनापुरी गाँवों में नई प्रार्थना दल शुरू करने की प्रयासों पर परमेश्वर की कृपा हा। प्रार्थना करें कि मिनिस्ट्री को बढ़ाने के लिए परमेश्वर समर्पित युवाओं को तैयार करे।



जन्मदिन मुबारक

श्री जेबर्सन बी.

गुजरात

मोटापोंडा:

**मरकुस मालतो एवं
सारा मालतो**

स्तुति: सभी चर्चों में कटनी का पर्व बड़े पैमाने पर मनाया गया। परमेश्वर ने मोड़ासा कलीसिया को अपनी 10वीं सालगिरह मनाने के लिए अनुग्रह प्रदान की। बरई गाँव में क्रिसमस के दिन हुए विरोध के बाद रविवार की आराधना बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए परमेश्वर ने हमारी सहायता की। प्रमोद भाई सभी मिनिस्ट्री में मदद करने के लिए एक नए वॉलंटियर के तौर पर शामिल हुए हैं। आईए हम उन विश्वासियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो अपनी आध्यात्मिक जीवन को मजबूत करने के लिए शुभ दिनों में उपवास और प्रार्थना कर रहे हैं।

प्रार्थना: आईए हम उन बच्चों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने 10वीं और 12वीं क्लास के परीक्षा दी है ताकि वे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों। परमेश्वर बेलू बेन को सुरक्षा और हिम्मत दें, जो कटकोबोरा गाँव की अकेली ऐसी इंसान हैं जिन्होंने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता माना है और विश्वास की खातिर सामाजिक और आत्मिक समस्या

का सामना कर रही हैं। परमेश्वर यसोदा बेन को पूरी तरह से छुटकारा दें, जो कुटली गाँव की अकेली ऐसी विश्वासी हैं जिन पर अक्सर बुरी आत्माएँ हमला करती हैं। हमारे विश्वासयोग्य युवाओं के लिए प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर के भय में अपने जीवन को बिताएँ और बचाए जाएँ।

वासावी बाइबल

अनुवाद कार्य:

दबोरा विजयारानी

स्तुति: 2 इतिहास के 18-30 अध्याय का अनुवाद कार्य पूरा हो गया है। 1 इतिहास के अध्याय 1-23 को प्रमाणिक जाँच के बाद कंप्यूटर पर अपलोड कर दिया गया है। आईए हम कटकोच, कम्बोडिया, मीरापुर और जोडोली गाँवों में रविवार की आराधना के संदेश के जरिए विश्वासियों का हाँसला बढ़ाने में मदद करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: 2 इतिहास के अध्याय 31 से होने वाले अनुवाद के काम के लिए प्रार्थना करें। मीरापुर गाँव में रविवार की आराधना और दूसरी सभा के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना सभा 20 साल से ज्यादा समय से प्राचीन प्रताप भाई के घर के बरामदे में होती आ रही हैं, प्रार्थना करें कि जल्द ही एक चर्च बनाया जा सके। वसावा चर्च के फिर से शुरू होने के लिए प्रार्थना करें। अनुवादित सामग्री का प्रमाणिक जाँच करने वाले भाषा सहयोगी के परिवार के लिए प्रार्थना करें। आशा नेतृत्व प्रशिक्षण केंद्र के लिए एक योग्य रसोईया की जरूरत पूरी होने के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सुसन थॉमस मैथ्यू
श्री एसाव भुईयॉ

पीपलवाड़ा बालिका छात्रावास:

पोन ऑगस्टीन एवं जॉयस शोभना

स्तुति: बॉर्ड परिक्षा लिखने वाले छात्रों के लिए विशेष प्रार्थना सभा रखी गई। परमेश्वर ने अपनी दया से बॉर्ड परिक्षा सफलतापूर्वक लिखने में छात्रों को सहायता प्रदान की। परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा पीटर को चंगाई प्रदान की जो स्कूल में काम करने वाले फकीर भाई का बेटा है और जिसकी किडनी फेल हो गई थी। आईए, हम परमेश्वर को धन्यवाद दें कि उसने चमत्कारिक रूप से रमेश भाई के परिवार को एक वाहन दुर्घटना में सुरक्षित रखा।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि चिकनपॉक्स से प्रभावित 35 छात्र जल्दी ही ठीक हो जाएँ। परमेश्वर विद्यालय की कर्मचारी गीता बेनू को हाथ की सूजन से पूरी तरह चंगाई दे। लंबे समय से बुखार विक्रम को चंगाई मिले। पैर में दर्द की वजह से चलने में दिक्कतों का सामना कर रहे आनंद और स्वीटी के लिए प्रार्थना करें। रुधिरा के लिए प्रार्थना करें जिन्हें सिरदर्द की वजह से पढ़ाई करने में दिक्कत हो रही है। छात्रावास का निर्माण और पेंटिंग का काम अच्छी तरह से पूरा हो।

सूरत: माधवरॉय (सेवानिवृत्त) एवं जेबातंगम

स्तुति: झूटे इल्जामों के बोझ तले दबे मोनीश को उसकी माँ की सच्ची प्रार्थना से छुटकारा मिला। ममताबेन के पेट के तेज दर्द से, रमावती बेन के ब्रेन ट्यूमर से और पूनम बेन के शरीर के दर्द से प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर ने सुजीत भाई को अपनी दया से शराब की लत से छुटकारा पाने में सहायता की और अपनी पत्नी के साथ शांति से रह रहा है। कुलदीप को वीडियो गेम की लत से छुटकारा दिलाने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: दिल की छेद से परेशान आरुषि को परमेश्वर चमत्कारिक रूप चंगाई दें। प्रियंका, महिमा बेन और साजिबेन की सुरक्षित प्रसव हो। मीना बेन और कुसुम बेन के परिवारों की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु हो चुकी है। संजय भाई के लिए प्रार्थना करें जो फिर से शराब की लत में पड़ गया है पूरी तरह से छुटोरा मिले।

विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाती है

दमालाचेरुवु अंचल की लिडिया अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करती हैं। एक दिन, हफसा नाम की एक महिला इलाज के लिए रोते हुए अस्पताल आई। उसने लिडिया को बताया कि उसके पेट में 10 किलोग्राम का एक बड़ा ट्यूमर है और डॉक्टरों का कहना है कि अगर सर्जरी की गई तो वह मर सकती है। यह सुनकर, लिडिया, उसकी माँ और अप्पन (एल्डर/पादरी) वहीं रुके, तीन दिन तक उपवास रखा और बोझ के साथ प्रार्थना की। प्रार्थना से सर्जरी सफल रही और महिला बच गई। आईए इसके लिए परमेश्वर को महिमा दें! हल्लेलुय्याह



जन्मदिन मुबारक

श्री बेंजामिन बी., श्री. प्रदीप मुशहरी
श्रीमती जेबा ज्योति पौलराज
श्रीमती मधु कला रामेश्वर निर्मल
श्रीमती एमी बैक्या सुयानी

अहवा एवं पीपलवाड़ा:

विग्नेश्वरन एवं एंजलीन एम.

स्तुति: भारती बेन एवं एलिसा बेन को प्रार्थना के द्वारा आंगनवाड़ी (ग्रामीण बाल संरक्षण केन्द्र) में नौकरी मिल गई है। इसहाक को प्रार्थना के द्वारा सीने के दर्द से चंगाई मिली। स्थानीय प्रचारक सुक्कर भाई को परमेश्वर ने हर्निया सर्जरी के बाद प्रार्थना के द्वारा चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना: सुरेश को पेट की सूजन से चंगाई मिले। प्रमिला बेन, जो प्रेग्नेंट हैं, खून की कमी से ठीक हो जाएं। यशवंत (9 साल) और जिग्नेश (5 साल) को रत्तींधी से चंगाई मिले। सुनील को दुष्ठात्माओं के बन्धन से छुटकारा मिले। 10वीं और 12वीं बॉर्ड की परीखा लिखे बच्चों के लिए प्रार्थना करें कि वे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों।

धरमपुर / खेरगम

छात्रावास:

जी. कुमारन एवं जेलिन जेया

स्तुति: परमेश्वर ने पेड़ से गिरकर घायल दिग्विजय को अपनी अनुग्रह से चंगाई दी कि चर्च आ सके। वैशाली को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली जो एक हफ्ते से न खा पा रही

थी और न चल पा रही थी। परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों के सभी बच्चों पर कृपा की ताकि वे सेंट्रल गवर्नमेंट द्वारा ली गई 8वीं क्लास की परीक्षा पास कर सकें। आईए, हम परमेश्वर की स्तुति करें कि उन्होंने रात में खेरगाम हॉस्टल के पास घूम रहे तैदुए से स्टूडेंट्स की रक्षा की।

प्रार्थना: रोहिल, जो 11वीं क्लास का स्टूडेंट है और सीढ़ी से गिर गया है और उसके दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हो गया है प्रार्थना करें कि वह जल्दी ठीक हो जाए। 10वीं और 12वीं की बॉर्ड परीक्षा में शामिल सभी छात्रों के लिए प्रार्थना करें कि वे अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हों। उनके लिए प्रार्थना करें। उज्ज्वल को पीठ पर की फोड़े से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि छात्रावास के लिए एक अच्छा रसोईया मिले।

मोसड़ा:

पौलराज एवं कोइल पुष्पम

स्तुति: राजेश भाई को लंबे समय से सीने में हो रहे दर्द और जलन से चंगाई मिली। सीतल बेन, जिन्हें गले के कैंसर की वजह से बोलने एवं खाने में दिक्कत होती थी, प्रार्थना से ठीक हो रही हैं। गुमिना कलीसिया का प्राचीन ईश्वर भाई जब लकड़ी काट रहा था तब एक पेड़ टूटकर उस पर गिरने ही वाला था कि उसने प्रभु को पुकारा और पेड़ दूसरी दिशा में गिर गया और वह बच गया।

प्रार्थना: आईए हम नई विश्वासी रीना बेन के पति गोविंद भाई के लिए प्रार्थना करें कि वे मानसिक बीमारी से ठीक हो जाए। सन्नीलाल भाई के लिए प्रार्थना करें कि वे आँख से पानी आने वाले इन्फेक्शन से ठीक हो जाए। रोशनी बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें, जिनका शरीर थायराइड की बीमारी के कारण बहुत सूज गया है।



जन्मदिन मुबारक

श्रीमती कनगनेसन वेल्लादुरई
श्री पॉन ऑगस्टिन ई., श्री. शिवकुमार सी.
श्री बेनिसन एबेनेजर आई.
श्रीमती गायत्री जेबार्सन

बोडेली एवं दबोई:

येसुबाबू एवं उषा

स्तुति: मालू गाँव में, जब विश्वासी इकट्ठा हुए और कुमड़ी नाम की एक 12 साल की लड़की के लिए प्रार्थना की, जिसे सांप ने काट लिया था, तो परमेश्वर ने उसे जिंदा कर दिया। करनेट गाँव में, राजिया बेन खेत में काम करते समय बेहोश होकर गिर पड़ी; जब साथी विश्वासियों इकट्ठा हुए और उसके लिए प्रार्थना की, तो उसे होश आया और वह उठ खड़ी हुई। आईए हम सुरथल और शरनेट गाँवों में सफलतापूर्व संचालित महिला सभा के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: आईए हम प्रार्थना करें कि सुमी बेन मसीह के लिए विरोध का सामना करते हुए भी अपने विश्वास में मजबूत रहे। जो लोग विरोध करते हैं वे पश्चाताप करें और बचाए जाएँ। कुंदन गाँव में होने वाली तीन दिवसीय युवा सभा में कई

लोगों के हिस्सा लेने और प्रभु को अपना जीवन समर्पित करने के लिए प्रार्थना करें। एलिसा नामक 6 वर्षीय बच्ची को बीमारी से पूरी तरह चंगाई मिले। प्रार्थन करें कि विरोध के कारण बन्द केलाडिया गाँव का छात्रावास फिर से खुलने के लिए अधिकारियों का सहयोग मिलने के लिए प्रार्थना करें।

दादरा एवं नगर हवेली

खानवेल:

अरुल असीर एवं सुगुना

स्तुति: वासोना गाँव की अंकिता पैर को फ्रैक्चर से चंगाई मिल रही है। महिलाओं की सभामें करीब 250 लोग शामिल हुए और उन्हें आशीर्वाद मिला। उमरानी गाँव में, परमेश्वर ने चमत्कारिक रूप से एक विश्वासी के बेटे की रक्षा की जो कुएँ में गिर गया था। परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर ने कुशमिला बेन को बहुत अत्यधिक रक्तस्राव से चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना: आईए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि गले की ट्यूमर के कारण खाने में असमर्थ छह साल की रितिका को चंगाई मिले। लकवा के कारण चलने में असमर्थ बिजल बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। शराब की लत की वजह से परिवार को गरीबी में लाने वाली सांगली के मन फिराव और इस बुरी आदत से छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। विश्वासी सुंदरी बेन के खिलाफ गाँव में हो रहे विरोध बंद होने के लिए प्रार्थना करें।



जन्मदिन मुबारक

श्री असीर मोसेस त्यागराज एस.
श्रीमती ज्योतिमनी मनोज
श्रीमती इडिगिनाला मौनिका गोडिसेला

नेर: मूर्ति एवं भारती

स्तुति: परमेश्वर की कृपा से पंध्याकव गाँव में बच्चों का शिविर और केतपाल एवं कैराबानी गाँव में महिलाओं की सभा कई लोगों के साथ सफलतापूर्वक हो पाई। परमेश्वर ने पाड़ी और कसेरे गाँव में एक नई आराधना दल शुरू करने में हमारी मदद की। देवूर गाँव में, जो परिवार विश्वास से भटक गए थे, वे वापस आ गए हैं। परमेश्वर ने सत्तारे और मलकाव गाँव में सुसमाचार साहित्य बाँटने के लिए हम पर अनुग्रह किया।

प्रार्थना: आईए हम प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन सभी गाँवों में सुसमाचार के लिए द्वार खोले जहाँ भील लोग रहते हैं। प्रार्थना करें कि विश्वासीगण अपने रिश्तेदारों और गांमीणों को अपने अच्छे जीवन से मसीह तक ले जाएँ। प्रार्थना करें कि सभी प्लान किए गए सभी काम बिना किसी रुकावट के पूरे हों।

नवापुर: तिम्मन्ना

तिमोथी एवं ममता

स्तुति: चार लोगों ने यीशु के प्रेम का अनुभव किया। पीजादेवी गाँव की साथी बाई को प्रार्थना से एक बुरी आत्मा के चंगुल से छुड़ाया गया। परमेश्वर की कृपा से पहली

बार हरुदीदारा और वसालाई गाँव में सुसामचार का प्रचार किया गया। मार्था को व्हाइट ब्लड सेल की कमी से चंगाई मिली। परमेश्वर ने आशीर्वाद नामक के एक व्यक्ति को किडनी सर्जरी के दौरान हुई मेडिकल गलती की वजह से सिर और दिल के लाइलाज दर्द की पीड़ा से चंगाई दी।

प्रार्थना: लगातार उल्टी और बुखार से पीड़ित अमिला बेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पत्ती बाई को कोढ़ की बीमारी से, राजेंद्रन को मुँह के कैंसर से चमत्कारिक रूप से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि नवकाव और सोल्हार गाँवों में चर्च बनाने के लिए सही जमीन और सरकारी अनुमति प्राप्त हो।

बोराडी: ओमप्रकाश एवं सपना

स्तुति: काथरदेव गाँव के लखारी को प्रार्थना के द्वारा एक बुरी आत्मा के चंगुल से छुटकारा मिली। बड़ाला गाँव में हुए 'थोडुवोल' कैंप में, दो परिवारों को यीशु मसीह के प्रेम ने छू लिया। बच्चों के शिविर में, 110 बच्चों ने हिस्सा लिया और परमेश्वर का वचन सीखा। आईए, गाँव की कलीसियाओं में कार्यकारिणी समिति की सभा को अच्छे से चलाने में मदद करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: आईए हम दुरपडिया गाँव के अर्जुन के लिए प्रार्थना करें कि वह किडनी की समस्याओं से ठीक हो जाए। लकडिया गाँव के सौरभ सिंह के क्षय रोग से चंगाई मिले। जैयड़ी गाँव का विक्रम को कोढ़ रोग से चंगाई मिले। देवुड़ा गाँव के सचिन को लकवा की बीमारी से पूरी तरह चंगाई मिले। नेहरा के लिए प्रार्थना करें कि वह बुरी आत्माओं के चंगुल से मुक्त हो जाए।



इगतपुरी: नागराजन एम. एवं
थिलगावती आर.

स्तुति: परमेश्वर ने कृपा करके पठानकवाडी और चोटिशवाड़ी गाँव में पहली बार सुसमाचार का प्रचार करने में हमारी सहायता की। प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर ने कविता को सुरक्षित प्रसव करने में सहायता की। कुरोली गाँव में आयोजित बाल सभा में कई बच्चों ने भाग लिया और बाइबिल की आयतें सीखीं। परमेश्वर ने मीना को कट/चोट की परेशानी से चंगाई दी। परमेश्वर ने धमानी गाँव के पाँच लोगों को बुरी आत्माओं छुड़ाया जो पहले विरोध के कारण विश्वास से पीछे हट गए थे।

प्रार्थना: प्रार्थना करें कि धमानी गाँव में सेवकाई का विरोध दूर हो और परमेश्वर सुसमाचार के लिए द्वार खोल दे। मुगुंधवाड़ी गाँव की कमल बाई के लिए प्रार्थना करें कि वह तनाव से आजाद हो और परमेश्वर की आराधना के लिए कलीसिया में भाग लें।

कर्नाटक

निदागुंडी: मंज्या नायक एवं
लमानी रत्ना

स्तुति: परमेश्वर ने सात जगहों पर रात्रि सभा के जरिए सुसमाचार का प्रचार करने का अनुग्रह हम पर किया। तीन लोग मसीह की मण्डली में शामिल हुए हैं। साईनाथ को प्रार्थना के द्वारा गुर्दे की पत्थरी की समस्या

चंगाई मिली। लंबे समय से नर्व की कमजोरी से परेशान प्रेमा को प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिली। परमेश्वर ने खून की कमी से परेशान शिल्पा को चंगाई दी।

प्रार्थना: गंगादेवी की सम्पूर्ण चंगाई के लिए प्रार्थना करें, जिन्हें फेफड़ों की समस्या के कारण सांस लेने में तकलीफ हो रही है। हीराबाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिन्हें गले में रुकावट के कारण खाना खाने में दिक्कत हो रही है। प्रेमा के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर की दया उन पर बनी रहे जो अपने पति को खोने के बाद दो बच्चों के साथ गुजारा करने के लिए संघर्ष कर रही है।

शिग्गांव:

नरेंद्र कुमार एवं काजल

स्तुति: एक व्यक्ति ने स्वयं को मसीह के प्रेम के हवाले कर दिया है। गंगाम्मा, जिसे डॉक्टरों ने बच्चे के जन्म के समय बहुत कम ब्लड लेवल के कारण छोड़ दिया था, लोगों की सच्ची प्रार्थनाओं से परमेश्वर ने सुरक्षित प्रसव करने में मदद की। थेनुगादेवी, जो मरने वाली थीं, विश्वासियों की प्रार्थनाओं के द्वारा चंगी हो गईं। महिलाओं और कलीसिया के अगुवों के लिए प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संचालित की गईं।

प्रार्थना: हलशेंको, पिरुनोली, तरलाकट्टा और कामली कोप्पा गाँव में प्रार्थना सभाएँ शुरू होने के लिए प्रार्थना करें, जहाँ सुसमाचार का प्रचार किया गया है। आईए हम संगीता और चंद्रन के लिए प्रार्थना करें कि वे अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी करें और सेवकाई में शामिल हों। विश्वा, अनीता, गीता, मेहर और स्वर्णा को सही जीवन साथी मिलें। महेश के लिए प्रार्थना करें जिसने स्वयं को पूर्णकालिक सेवकाई के लिए समर्पित किया है।



श्रीमती शीबा जी. चंद्रा श्रीनिवासन
श्रीमती सेल्वा मेरिना मनश्शे डैनियल
हलियाल एवं खानपुरः
थंगलाल जोरु एवं नेमजवाह

स्तुति: बसावाराज के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो ब्लड कैंसर के कारण मरने पर था परन्तु अब प्रार्थना के द्वारा चंगाई मिल रही है। परमेश्वर ने हन्नाप्पा और रेणुका दम्पति को विवाह के छह साल बाद एक बच्चे का आशीर्वाद दिया है। इटागी गाँव के चर्च के विश्वासियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो धार्मिक कट्टरपंथियों की धमकियों के बावजूद हिम्मत से रविवारीय आराधना और दूसरी सभाएँ कर रहे हैं।

प्रार्थना: आईए हम एक नए विश्वासी, भाग्य के पति के लिए प्रार्थना करें कि वह शराब की लत से छुटकारा पाए। सुमित्रा और नागप्पा के परिवार विश्वास में मजबूत हों। मल्लप्पा को गले की सूजन से पूरी तरह चंगाई मिले जिसके कारण वह खा नहीं पाता है। ईंट भट्टों पर काम करने गए विश्वासी सुरक्षित घर लौट आएँ। प्रार्थना करें कि परेश्वर कार्यस्थलों में उन सबकी रक्षा करे। प्रार्थना करें कि नंदगढ़ और इटागी गाँवों में चर्च बनाने के लिए जमीन और पंचायत की ओर से अनुमति प्राप्त हो।

आंध्र प्रदेश

सडुम:

अनिल महाई एवं प्रशांति

स्तुति: परमेश्वर ने चमत्कारिक तरीके से एलियाजर नाम के एक विश्वासी को एक बहुत

ही खतरनाक हादसे से बचाया। परमेश्वर ने विश्वासियों के लिए आयोजित मिशन एवं विजन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में हमारी मदद की। परमेश्वर ने पिछले महीने हुई सभी सभाओं सफलतापूर्वक संचालित करने में हमारी सहायता की। हम एक नए व्यक्ति के यीशु मसीह के झुंड में शामिल होने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं।

प्रार्थना: आईए हम प्रार्थना करें कि परमेश्वर जया और सन्निरा, उषा और मुरली तथा सरस्वती के परिवारों को संतान संख प्रदान करे। उन विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें जो विश्वास से भटक गए हैं वे कलीसिया में वापस आएँ। जानकीराम और राजन्ना के लिए प्रार्थना करे कि को परमेश्वर उनकी बीमारियों से पूरी चंगाई दे। जो लोग सुसामचार पर रुंधि ले रहे हैं उनके लिए प्रार्थना करें कि वे बिना किसी रुकावट के अपने विश्वास का अंगीकार करें। श्रीकांत को शराब की लत से छुटकारा मिले।

मडकासिरा:

पौल रविराज एवं हेमलता

स्तुति: नागराज का परिवार को निरन्तर प्रार्थना के द्वारा जादू-टोने की गिरफ्त से आजादी मिली। परमेश्वर की कृपा से छह लोगों को मसीह के प्रेम को जाना। चार जगहों पर जीसस फिल्म दिखाई गई और कई लोगों को सुसमाचार साहित्य प्राप्त हुए। हम नारायण और आदिलक्ष्मी के परिवारों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते हैं जो सुसाचार पर रुंधि ले रहे हैं।

प्रार्थना: आईए हम प्रदीप के लिए प्रार्थना करें कि वह बुरे दोस्तों की संगति से छुटकारा पाए। आराधिया को नर्सों की कमजोरी से चंगाई मिले। उन परिवारों के लिए हम परमेश्वर का धन्यवाद दें जिनको परमेश्वर ने शैतानी बंधनों, जादू-टोने और भाइयों अरोकियाम, सुगुमार, शिवलिंगम और पुष्पनाथन के नाम पर जादू-टोने से बचाया। बहन मनोनमणि के लिए प्रार्थना करें कि वह झूठे इल्जामों छुटकारा पाए।



जन्मदिन मुबारक

श्री येसु बाबू ए.

तमिलनाडु

एलमपिल्लई:

सेल्वाकुमार/जोसेफ विल्सन

स्तुति: आईए हम पिछले महीने सभी वर्कर्स के लिए मध्यस्थता की प्रार्थना करने में मदद करने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें। सरन्या और किशोर जो दस साल से गायनेकोलॉजिकल डिसऑर्डर से परेशान थे, परमेश्वर ने उन्हें प्रार्थना के उत्तर में चंगाई दी। बहन मारिया को प्रार्थना के क्षरा नौकरी दिलाने के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना: बहन सेल्वी के लिए प्रार्थना करें कि वह भजन संहिता की किताब में बताए गए “भारी बोझ वाली आत्मा” से छुटकारा पाए। प्रार्थना करें कि भाई पुरुषोत्तमन को हाथ और आँख के ट्यूमर से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बहन कोमला और भाई पुष्पमणि की विवाह होने में सहायता प्रदान करें। प्रार्थना करें कि एलमपिल्लई क्षेत्र में एक प्रार्थना हॉल बनाने के लिए अच्छी जगह मिले।

मेलचेरी:

आर.आर. धर्मराज एवं

मारियासेल्वी

स्तुति: परमेश्वर ने भाई मोहन की समस्या को प्रार्थना के दूर किया जो कई दिनों से

अपने परिवार से अलग था। परमेश्वर ने सतीश-पवित्रा जोड़े को एक दुर्घटना से बचाया। परमेश्वर ने नागराजन के बच्चे को जो पीलिया से पीड़ित था चंगाई दी। आईए हम नए विवाहिता जोड़े पुष्पम-श्री प्रिया के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया।

प्रार्थना: परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह चंद्र के विजनेस को आशीर्वाद दें और उसकी कर्ज की समस्याएँ हल हो जाएँ। परमेश्वर रजनी और प्रियंका के शुरू किए गए सिलाई ट्रेनिंग सेंटर को आशीर्वाद दें। उन विश्वासियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जो काम के लिए दूसरे जिलों में गए हैं।

निर्दोष घोषित

गुजरात राज्य में, मोनीश भाई, सूरत के सचिन गाँव की मंडली का सदस्य था। वह कपड़ा मार्केट से टेम्पो में साड़ियाँ लाकर ग्राहकों की दुकानों तक पहुँचाकर अपना गुजारा करता था। विश्वासी होने के कारण एक ग्राहक ने लगातार उसकी कमियाँ निकालना और उसकी शिकायत करना अपनी आदत बना ली थी। एक दिन, मोनिश पर झूठा आरोप लगाया गया कि उसके टेम्पो से साड़ियाँ गायब हो गई हैं। मोनिश कलीसिया गया और प्रार्थना सभा के दौरान अपनी समस्या को बताया। प्रार्थना के उत्तर में साड़ियाँ वापस मिल गईं, और ग्राहक ने शिकायत वापस ले ली। आईए हम परमेश्वर को धन्यवाद दें जिसने इस अपमान को दूर किया।



**श्री जी. हेनरी
सोलोमन एवं
श्रीमती एंजेल जेबा एस.**

वह अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए काम के लिए भेनई गया। क्योंकि उसके पास पैसे थे, वह बुरी आदतों और गलत संगति में पड़ गया। लगभग सात साल तक, उसने बिना किसी स्थिरता के अलग-अलग जगहों पर काम किया और बहुत खालीपन महसूस किया, जिससे उसका परिवार दुखी था।

जब उनके चाचा ने उन्हें उनकी माँ के मिनिस्ट्री के लिए समर्पण की राह दिखाई, तो परिवार ने हृदय से प्रार्थना करना शुरू कर दिया। गहरे 8:10 के द्वारा उन्होंने मन फिराया किया, और अपना जीवन परमेश्वर को फिर से समर्पित किया और उद्धार का हर्ष फिर से प्राप्त किया। 2011 में, वह एक मिशनरी के तौर पर FMPB में शामिल हो गए। हालाँकि उन्हें अपने परिवार की जरूरतों की चिंता थी, परन्तु उन्होंने परमेश्वर के भरोसे को पहचाना और पूरी तरह से बुलाहट के आगे समर्पित कर दिया। उन्होंने एक साल तक प्रधान कार्यालय में सेवा की, जिसके बाद वरिष्ठ मिशनरियों के द्वारा उनका विवाह तय किया गया।

सुश्री एंजेल जेबा का जन्म 25 फरवरी 1988 को तिरुनेलवेली प्रांत के विक्रमसिंगपुरम में श्री आर. सोरनाराज एवं श्रीमती लीला पुम्म के घर में तीसरी बेटी के रूप में हुआ था। बचपन से ही, उन्होंने संडे स्कूल, कलीसिया की गतिविधियाँ और FMPB सम्मेलनों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। ग्यारहवीं क्लास में स्टेनली प्रिंस अन्नान के एक संदेश से, उन्होंने मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार किया। बाद में, देश के लिए बोझ और वचन से मजबूत होकर, उन्होंने अपने जीवन को पूर्ण—कालिक सेवकाई के लिए लगा दी।

कॉलेज के बाद, उन्होंने 2006 में FMPB मिशनरी साक्षात्कार में हिस्सा लिया, जहाँ से प्रशिक्षण पूरी की और 2007 में झावड़ा इंग्लिश स्कूल में मिशनरी शिक्षक के तौर पर काम करना शुरू किया। 28 मई 2012 को उनका विवाह हुआ और वे साथ में सेवा करते रहे। इन वर्षों में, उन्होंने झाँसी, संखेड़ा, दभोई, कवंत और नसवाड़ी में सेवा की, विशेषकर खूंगरा भील लोगों के बीच। 2024 से, वे नसवाड़ी मिशन क्षेत्र और कवंत छात्रावास में सेवकाई की देखरेख कर रहे हैं।

परमेश्वर ने उन्हें दो बेटों से नवाजा है: जोहान अब्दुल (15/05/2013), संतोष विद्यालय, डोनावर में 8 वीं क्लास में पढ़ता है और इवान इमानुएल (29/07/2020), शीघ्र ही विद्यालय में दाखिला लेंगे। वे विनम्रतापूर्वक अपने परिवार और सेवकाई के लिए निरन्तर प्रार्थना करने का अनुरोध करते हैं।

श्री जी. हेनरी सोलोमन का जन्म 10 मई 1986 को तमिलनाडु के थूकुडी प्रांत के पिल्लयन गांव में श्री ज्ञानराज एवं श्रीमती कमला के प्रथम पुत्र के रूप में हुआ था। उनके जन्म से पहले, परिवार कोरंबटूर में रहता था, जहाँ उनके पिता एक किराने की दुकान चलाते थे, परन्तु उन्हें शराब की लत लग गई, जिससे दुकान बंद हो गई। बाद में, उनकी माँ त्रिची में अपने पिता के घर चली गई। उस दौरान, वह श्रीमती मैरी टीघर के घर पर होने वाली FMPB हाउस प्रेयर मीटिंग में नियमित रूप से जाती थीं और अपने गर्म में पल रहे बच्चे को परमेश्वर की सेवा के लिए समर्पित कर देती थीं।

कई समस्याओं के बावजूद उसने कड़वपुरम के एक छात्रावास में एडमिशन दिलाया। वह नीची कक्षा तक प्रार्थना करते और धर्मग्रंथ पढ़ते हुए और अनुशासन में बढ़ा हुआ। छात्रावास के बंद होने के बाद, उसने घर से ही अपनी पढ़ाई जारी रखी। गर्मी की छुट्टियों में,

पुनरुत्थान रविवार की शुभकामनाएँ!

HE IS RISEN

मृत्यु उन्हें रोक नहीं सकी
कब्र उन्हें समाहित नहीं कर सकी
शैतान उन्हें रोक नहीं सका
हर एक उसके सामने घुटने टेकेगा
वह जीवित है, वह जी उठा है,
वह फिर आएगा
राजाओं के राजा और
सब चीजों के स्वामी के रूप में!

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmprb.org *Printed by:* Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. *Editor:* S. John Berlin

मित्र समाचार | 52 | अप्रैल 2026